छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 67 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 03 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

होली पर्व के मद्देनजर 500 से अधिक पुलिस अफसरों-कर्मचारियों की निगरानी में जिला

सामाजिक-सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले तत्वों, हुड़दंगियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। होली पर्व के मद्देनजर सरगुजा पुलिस ने शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु 08 राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में 75 निरीक्षक, उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक सहित कुल 500 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती की है। जिले में 67 फिक्स पिकेट, 28 पेट्रोलिंग पार्टी, 07 बाज पेट्रोलिंग, महिला गस्ती दल, जलाशय व्यवस्था सहित रिजर्व बल भी सक्रिय रहेगा। तीन सवारी वाहन चालकों, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सामाजिक एवं सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले आसामजिक तत्वों, हुड़दंगियों पर पुलिस टीम की पैनी नजर रहेगी। बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर बिना अनुमति डीजे लगाने एवं विवादित गाना, संगीत बजाने पर सख्त कार्रवाई होगी। दुर्घटनाओं के मद्देनजर आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर के जरिए आम जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष जिले में 02 मार्च को होलिका दहन एवं 04 मार्च को रंगोत्सव पर्व मनाया जाना है। इस अवसर पर कानून व्यवस्था सहित शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने एवं हुड़दंगियों पर सख्ती के उद्देश्य से 500 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तैनात किए गए हैं। बाज बाइक पेट्रोलिंग टीम शहर के अंदरूनी मार्गों में भ्रमण करके आसामजिक तत्वों पर नजर रखेगी। इसके साथ ही रक्षित निरीक्षक अंबिकापुर के नेतृत्व में रिजर्व बल को भी सक्रिय रखा गया है। जिले के प्रमुख जलाशयों में फिक्स पिकेट पुलिस टीम की तैनाती की गई है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा द्वारा होली पर्व के दौरान तीन सवारी वाहन चालकों पर, नाबालिगो द्वारा वाहन चलाने एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं। होली एवं बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर बिना अनुमति डीजे साउंड सिस्टम लगाने एवं विवादित गाना, संगीत बजाने जाने पर वैधानिक कार्रवाई करते हुए डीजे जप्त किया जाएगा। चौक-चौराहों पर चेकिंग के साथ सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में घायलों को त्वरित आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था दिलाने थाना, चौकी प्रभारियों को जिला अस्पताल से समन्वय बनाकर उचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं। आम नागरिक सरगुजा पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 94791 93599 एवं डॉयल 112 के जरिए पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकते हैं, दर्ज शिकायतों पर सरगुजा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

सरगुजा पुलिस द्वारा होली पर्व के मद्देनजर विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है, और आमजन से सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए त्योहार को उल्लासपूर्वक मनाने का आग्रह किया है। पुलिस ने होली पर्व पर शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने, दुकान संचालकों को व्यवस्थित ढंग से दुकान लगाने एवं नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, किसी प्रकार का मुखौटा का उपयोग नहीं करने, ज्वलनशील पदार्थों का प्रयोग नहीं करने एवं किसी के ऊपर जबरन रंग नहीं लगाने, ट्रिपल राइडिंग नहीं करने, दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन करने, खाली सड़कों पर वाहन तेज नहीं चलाने, मोड़ों पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। इसके अलावा थाना/चौकी अंतर्गत किसी प्रकार की घटना घटित होने की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करने हेतु जारी हेल्पलाइन नम्बर में सूचना देने और त्वरित सहायता हेतु सूचना दर्ज करवाने का आग्रह किया है। हुड़दंगियों और आपराधिक तत्वों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। प्रत्येक चौक-चौराहों पर ब्रेथ ऐनालाइजर से चेकिंग की जाएगी, इसे देखते हुए पुलिस ने शराब पीकर वाहन नहीं चलाने का आग्रह किया है, क्योंकि सबसे ज्यादा हादसे नशे में वाहन चलाने के कारण होते हैं।

चंद्रग्रहण के कारण रंगोत्सव कल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार 3 मार्च को सायं 6 बजे से 6.47 बजे तक खंडग्रास चंद्रग्रहण रहा। ग्रहण का सूतक काल सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर शाम 6.47 बजे ग्रहण मोक्ष तक प्रभावी रहेगा। इसी कारण इस वर्ष होली 4 मार्च को मनाई जाएगी।

पुलिस एवं नगर निगम ने भ्रामक मुखौटे किए जप्त

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा जिले में मुखौटा बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने हेतु निर्देशित किया था, इसी क्रम में सरगुजा पुलिस एवं नगर निगम अंबिकापुर द्वारा ऐसे दुकानों की सघन जांच की गई जहां भ्रामक, भय उत्पन्न करने वाले अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की आशंका वाले मुखौटे बिक्री किए जा रहे थे। अभियान के दौरान ऐसे लगभग 2500 आपत्तिजनक मुखौटे जप्त किए गए हैं। दुकानदारों को स्पष्ट निर्देशित किया गया है कि वे ऐसी किसी प्रकार की सामग्री का विक्रय न करें, जिससे कानून व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द, शांति व्यवस्था अथवा जनभावनाएं प्रभावित हों।

शुभ मुहूर्त में होलिका दहन, शांति और खुशहाली की प्रार्थना

रंगों का पर्व होली 4 मार्च को पूरे संभाग में हर्षोल्लास मनाया जाएगा। इसे लेकर शहर में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बाजार रंग-गुलाल और तरह-तरह की पिचकारियों से सजे हुए हैं। लोगों ने पहले से ही खरीदारी शुरू कर दी थी। हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार होलिका दहन का विशेष महत्व है। शहर के विभिन्न स्थानों पर 2 मार्च को देर रात तक शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से होलिका दहन किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। दिनभर मोहल्लों में पूजा-अर्चना का दौर चलते रहा। बच्चों और युवाओं में होलिका दहन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने होलिका की परिक्रमा कर घर-परिवार में शांति और खुशहाली की प्रार्थना की।

सटोरियों को खाता खुलवाकर अवैध लेनदेन के लिए देने वाला गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अवैध सट्टा के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो अपना खाता खुलवाकर आपराधिक कृत्य से अर्जित रकम के लेन-देन में उपयोग करने हेतु दिया था। आरोपी के कब्जे से आईफोन व 01 नग मोबाइल फोन जप्त किया गया।

बता दें कि मामले में 13/01/25 को कोतवाली पुलिस ने सरगुजा साइकल स्टोर के सामने सुधीर गुप्ता के घर में दबिश देकर कार्रवाई की थी, जहां ऑफिस बनाकर और टीवी सेटअप लगाकर क्रिकेट मैच में ऑनलाइन सट्टा दांव लगवाया जा रहा था। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। पुलिस टीम ने सख्ती से कार्रवाई करते हुए पूर्व में मौके से राहुल अग्रवाल, श्रीकांत अग्रवाल एवं राहुल कुमार सोनी को हिरासत में लिया था और करीब 20 लाख का सामान बरामद किया था। मामले में थाना कोतवाली में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 7, 8 एवं 336(3), 338, 61(2), 340(2), 111 बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। विवेचना दौरान प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया एवं फरार आरोपियों के तलाश में पुलिस लगी थी। विवेचनाक्रम में फरार आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा को पुणे महाराष्ट्र से पुलिस ने हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया था और सट्टे की रकम से खरीदा गया फार्च्यूनर कार, आरोपी के घर एवं संभावित ठिकानों से नकद 6,45,430 रुपये, आभूषण बिल सहित, जमीन संबंधी दस्तावेज, अन्य दस्तावेज बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड पूर्व में पुजिस जप्त की थी। आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा के द्वारा अपने बैंक खाता में मुजाहिद अली खान निवासी अंबिकापुर के सीम का उपयोग कर अलग-अलग बैंकों में खाता खुलवाना और उक्त मोबाइल नम्बर से फोन पे, गुगल पे से ऑनलाइन सट्टा खेलवाने हेतु रकम का लेन-देन करना पाया था। इसी क्रम में मुजाहिद अली खान पिता रोषतम खान 26 वर्ष निवासी नवागढ़ शहीद अब्दुल हामिद वार्ड नंबर 42 को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, आरक्षक अमन पुरी अशोक यादव, रमेश राजवाड़े सक्रिय रहे।

प्रशासनिक दक्षता के लिए सरगुजा में 16 राजस्व निरीक्षकों का तबादला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला सरगुजा में प्रशासनिक दक्षता एवं राजस्व कार्यों के बेहतर संपादन के उद्देश्य से कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिले में पदस्थ 16 राजस्व निरीक्षकों का स्थानांतरण आदेश जारी किया गया है। यह आदेश छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता एवं छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली के अंतर्गत प्रदत्त प्रावधानों के तहत लोकहित में जारी किया गया है, आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

जारी आदेश के अनुसार विश्वनाथ तिवारी, रा.नि.मं. अंबिकापुर-3 से रा.नि.मं. लखनपुर, रामकुमार राम, रा.नि.मं. अंबिकापुर-4 से रा.नि.मं. रघुनाथपुर (धौरपुर), संजय सिंह, रा.नि.मं. अंबिकापुर-5 से रा.नि.मं. उदयपुर, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, रा.नि.मं. अंबिकापुर-6 से रा.नि.मं. बतौली, सबल साय एक्का रा.नि.मं. धौरपुर से रा.नि.मं. अंबिकापुर-3, विकास कुमार सोनपाकर रा.नि.मं. उदयपुर से रा.नि.मं. अंबिकापुर-4, राज बहादुर सिंह रा.नि.मं. खम्हरिया (उदयपुर) से राजस्व निरीक्षक नजूल, संजय कुमार सिंह रा.नि.मं. लखनपुर से रा.नि.मं. अंबिकापुर-5, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, रा.नि.मं. सलका (लखनपुर) से रा.नि.मं. अंबिकापुर-6, छय कुमार पैंकरा, रा.नि.मं. पेटला (सीतापुर) से राजस्व निरीक्षक नजूल, शिवपूजन तिवारी रा.नि.मं. बतौली से राजस्व निरीक्षक नजूल, रामदेव यादव राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. लुण्ड्रा, सरयू राम पैंकरा, राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. खम्हरिया (उदयपुर),श्री आशीष गुहा, राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. धौरपुर,श्री विजय कुमार श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. सलका (लखनपुर), सत्येन्द्र कुमार मिश्रा राजस्व निरीक्षक डायवर्सन को रा.नि.मं. पेटला (सीतापुर) तबादला किया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर शीघ्र कार्यभार ग्रहण कर राजस्व कार्यों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करें।

अवैध रेत उत्खनन के 16 प्रकरण दर्ज, 2.70 लाख रुपये से अधिक की वसूली

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला सरगुजा अंतर्गत लखनपुर एवं उदयपुर क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर एवं ग्राम जजगा में छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय (अनुसूचित क्षेत्र हेतु) नियम, 2023 के तहत साधारण रेत की 02 खदानें विधिवत स्वीकृत हैं। उक्त स्वीकृत खदानों से रेत का उत्खनन, विक्रय एवं परिवहन नियमानुसार किया जाता है। इसी क्रम में खनिज विभाग द्वारा हालिया निरीक्षण के दौरान स्वीकृत रेत खदानों एवं नदी क्षेत्रों का मुआयना किया, अधिकांश नदियों में पर्याप्त जलभराव पाया गया, जिससे अवैध उत्खनन की आशंका प्रतीत नहीं हुई। वहीं लखनपुर एवं उदयपुर क्षेत्र में गौण खनिज रेत के अवैध परिवहन के 07 प्रकरण दर्ज कर 1,12,296 रुपये तथा अवैध उत्खनन के 09 प्रकरण दर्ज कर 1,58,280 रुपये वसूल किया गया। इस प्रकार कुल 2,70,576 रुपये खनिज मद में जमा कराया गया है।

तहसील कार्यालय का चपरासी लग्जरी कार में नशीले टेबलेट की सप्लाई करते मिला

आबकारी उड़नदस्ता टीम ने 608 नग नशीला टेबलेट जब्त करके आरोपी को जेल भेजा

छ.ग.फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। सूरजपुर जिला के विश्रामपुर तहसील कार्यालय में पदस्थ चपरासी को संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने लग्जरी कार में नशीला टेबलेट बेचते हुए गिरफ्तार किया। 608 नग नशीला टेबलेट जब्त करके आरोपी को जेल भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक उड़नदस्ता टीम 01 मार्च, रविवार की शाम को सूरजपुर जिला में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम तिलसिंवा सूरजपुर के मैदान के पास एक व्यक्ति अपने कार क्रमांक सीजी 29 एजी 1098 से नशीली टेबलेट का सप्लाई करने निकला है। सूचना पर वे टीम के साथ तिलसिंवा मैदान को चारों तरफ से घेराबंदी करके कार तक पहुंचे, जिसमें बैठे व्यक्ति ने अपना नाम अभिषेक साहू निवासी गोविंदपुर साहूपारा बताया। पूछताछ में वह बताया कि पूर्व में वह कलेक्ट्रेट सूरजपुर में चपरासी के पद पर पदस्थ था, वर्तमान में तहसील विश्रामपुर में पदस्थ है। कार की तलाशी लेने पर डैश बोर्ड में रखे एक काले रंग के बैग में 560 नग एलप्राजोलम टेबलेट और 48 नग स्पैस्मो प्रॉक्सीवॉन प्लस कैप्सूल बरामद की गई। टीम ने आरोपी अभिषेक साहू को कार और कैप्सूल, टैबलेट के साथ कब्जे में लेकर एनडीपीएस एक्ट की धारा 22-सी के तहत अपराध पंजीबद्ध करके गिरफ्तार किया है। आरोपी को 02 मार्च, सोमवार को न्यायालय सूरजपुर में रिमांड के लिए प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेजने का आदेश प्राप्त हुआ। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी के साथ मुख्य आरक्षक रमेश दुबे अशोक सोनी, नगर सैनिक रणविजय सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता एवं नीरज चैहान सक्रिय रहे।

सीए बनकर साक्षी अग्रवाल ने बढ़ाया शहर का मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर की होनहार छात्रा साक्षी अग्रवाल ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) की कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर शहर का मान बढ़ाया है। साक्षी, श्री अमरजीत अग्रवाल टिंटू एवं श्रीमती अंजना अग्रवाल की सुपुत्री हैं।

साक्षी ने अपनी प्रारंभिक एवं स्कूली शिक्षा कार्मेल स्कूल, अंबिकापुर से प्राप्त की। प्रारंभ से ही मेधावी रही साक्षी ने अपनी लगन और परिश्रम के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर उनके ताऊ हरिराम अग्रवाल, रोशन अग्रवाल एवं अनिल अग्रवाल 'माही' ने साक्षी को आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मोरखी परिवार में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष और गर्व का वातावरण है। साक्षी ने अपनी सफलता का श्रेय अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प माता-पिता एवं परिवार का हर कदम पर सहयोग एवं बड़ों के आशीर्वाद को दिया है। मित्रों एवं शुभचिंतकों ने भी उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आग से जंगलों व वन्य प्राणियों को बचाने जनजागरूकता कार्यशाला आयोजित

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। वन परिक्षेत्र पसरखेत के ग्राम कोल्गा के देवगुड़ी चैरा में अग्नि सीजन में वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा हेतु अग्नि प्रबंधन एवं ग्रामीणों की सहभागिता के संबंध में विशेष जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष वन प्रबंधन समिति कोल्गा नंदलाल राठिया की अध्यक्षता में दीपमाला प्रज्जवलित कर, ग्रामदेव की पूजा आराधना कर शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला में उपवनमण्डलाधिकारी दक्षिण कोरबा वन परिक्षेत्र अधिकारी पसरखेत, वन परिक्षेत्र अधिकारी कुदमुरा, वन परिक्षेत्र अधिकारी करतला,टिकेश्वर सिंह राठिया समाज प्रमुख, जनपद सदस्य महेन्द्र राठिया, क्षेत्र क्रमांक 19, सरपंच कोल्गा संतराम राठिया, सरपंच प्रतिनिधि फुलसरी चमरासिंह कंवर, सरपंच सोलवां किशन सिंह राठिया, उपध्यक्षा श्रीमती सपना राठिया एवं ग्राम कोल्गा के ग्राम बैगा, मदनपुर शासकीय हाईस्कूल के छात्र-छात्रायें एवं शिक्षकवृन्द नोवा नेचर चेलफेयर सोसायटी के संस्थापक एम. सूरज, जितेन्द्र सारथी एवं उनकी पूरी टीम, विज्ञान सभा के दिनेश (वनस्पति विशेषज्ञ), वन परिक्षेत्र पसरखेत, कुदमुरा एवं करतला के अनुवभी फिल्ड स्टाफ की टीम साथ ही परिक्षेत्र अंतर्गत कार्यरत फायर वाचर्स एवं अन्य सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान अग्नि प्रबंधन एवं नियंत्रण विषय पर विस्तृत चर्चा-परिचर्चा एवं जंगलों की सुरक्षा पर स्थानीय जनमानस की सहभागिता सुनिश्चित करने प्रस्तुतीकरण किया गया।

आवास निर्माण में लक्ष्यात्मक प्रगति लाना करें सुनिश्चित : सीईओ

अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास, पीएम जनमन, स्वास्थ्य, राजस्व प्रकरण सहित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने बैठक में राजस्व विभाग के अंतर्गत अनुविभाग एवं तहसीलवार लंबित प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने लोक सेवा केंद्र में लंबित प्रकरणों, अविवादित-विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, अभिलेख सुधार, सीमांकन, आधार प्रविष्टि एवं भू-अर्जन से संबंधित मामलों की बिंदुवार जानकारी ली। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने पीजी पोर्टल, जनशिकायत, समय-सीमा प्रकरण एवं हाई कोर्ट में लंबित प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि राज्य शासन द्वारा आवास निर्माण की निरंतर समीक्षा की जा रही है। इसलिए जिले में स्वीकृत सभी आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा पूर्ण आवासों में अनिवार्य रूप से सीसी प्रविष्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की प्रगति की जानकारी लेते हुए स्वीकृत कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा। साथ ही मनरेगा अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों को में भी तेजी लाने के निर्देश दिये।

सीईओ श्रीमती तोमर ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत एएनसी रजिस्ट्रेशन, संस्थागत प्रसव, मोबाइल मेडिकल यूनिट के अंतर्गत लाभान्वित जनसंख्या, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जांच एवं उपचार, मौसमी बीमारियों की जांच की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती माताओं के समय पर पंजीयन एवं नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित बच्चों के उपचार में गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों को समय पर उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर करने के निर्देश भी दिये। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने केसीसी एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र किसानों को किसान हितैषी योजनाओं से लाभान्वित करें।

बैठक में अवैध खनन एवं परिवहन को लेकर जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा।

बैठक में अपर कलेक्टर आर. एस. लाल, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गायत्री खदान से कोयला चोरी करते दो को पकड़कर पुलिस को सौंपा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सोमवार की सुबह क्षेत्रीय महाप्रबंधक और सुरक्षा अधिकारी ने गायत्री खदान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खदान के स्टॉक से कोयला चोरी कर रहे कई लोग जवानों को देखकर भाग निकले। इसी दौरान त्रिपुरा राइफल के जवानों ने दो व्यक्तियों को मोटरसाइकिल में चोरी का कोयला लोड कर ले जाते हुए पकड़ लिया। बाद में दोनों को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। खदान के सुरक्षा कर्मी मनीष कुमार सिंह की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने विनय राजवाड़े पिता मनीलाल राजवाड़े और प्रदीप राजवाड़े पिता भुनेश्वर राजवाड़े दोनों निवासी परसोढी कला थाना लखनपुर के खिलाफ चोरी का अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 ईए 0690 और सीजी 15 सीएल 0942 सहित जूट बोरों में भरा करीब चार क्विंटल कोयला जब्त किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री भूमिगत खदान

के साथ ही अमेरा और आमगांव खुली खदानों से प्रतिदिन डेढ़ से दो सौ टन तक कोयला चोरी होने की शिकायत है, जिससे कंपनी और शासन को रॉयल्टी का भारी नुकसान हो रहा है। गायत्री खदान से सटा इलाका सरगुजा जिले में आता है, जहां स्थानीय तस्कर लंबे समय से सक्रिय बताए जा रहे हैं। आरोप है कि ग्रामीणों द्वारा चोरी किया गया कोयला कौड़ियों के भाव खरीदकर संभाग के विभिन्न ईंट भट्ठों में खपाया जाता है। लगातार हो रही चोरियों से परेशान प्रबंधन अब सख्ती के मूड में है। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह और सुरक्षा अधिकारी राइफलधारी जवानों के साथ नियमित निरीक्षण कर रहे हैं और पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई जा रही है। प्रबंधन को उम्मीद है कि सख्त कार्रवाई से कोयला चोरी पर अंकुश लगेगा।

जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के समक्ष रखा। उन्होंने आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुन जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

बिश्रामपुर को नगर पालिका बनाने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत बिश्रामपुर को नगर पालिका का दर्जा दिलाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ती नजर आ रही है। भाजपा किसान मोर्चा के जिला सदस्य एवं पूर्व जिला महामंत्री दुर्गा गुप्ता ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए नगर के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस पहल की मांग की है।

दुर्गा गुप्ता ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि बिश्रामपुर, जो एसईसीएल क्षेत्र अंतर्गत आता है। यहां वर्षों से नगर पंचायत के रूप में संचालित हो रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि नगर की जनसंख्या एवं आसपास की पंचायती क्षेत्रों को मिलाकर यह क्षेत्र नगर पालिका की सभी आवश्यक अर्हताओं को पूरा करता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यदि आवश्यक हो तो आसपास की ग्राम पंचायतों को सम्मिलित कर बिश्रामपुर को नगर पालिका बनाया जा सकता है। इससे न केवल बिश्रामपुर बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का भी संतुलित और योजनाबद्ध विकास संभव होगा। नगर पालिका बनने से बुनियादी सुविधाओं सड़क,

नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि विगत वर्षों में एसईसीएल से बड़ी संख्या में कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं, जिनमें से कई लोग बिश्रामपुर छोड़कर अन्य स्थानों पर बस गए। शासन द्वारा कराए गए एसआईआर के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि नगर की जनसंख्या में गिरावट दर्ज की गई है। इसके बावजूद क्षेत्र की भौगोलिक, आर्थिक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए नगर पालिका का दर्जा समय की मांग बताया गया है। दुर्गा गुप्ता ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि नगर पंचायत बिश्रामपुर को नगर पालिका में उन्नयन हेतु आवश्यक कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जाए, ताकि क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिल सके। लोगों का मानना है कि यदि बिश्रामपुर को नगर पालिका का दर्जा मिलता है, तो क्षेत्र में योजनाओं की स्वीकृति और बजट आवंटन में वृद्धि होगी, जिससे विकास कार्यों में तेजी आएगी।

जल जीवन मिशन की बैठक 06 मार्च को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर एवं जिला जल स्वच्छता मिशन के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता में 06 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे से संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की अद्यतन प्रगतिएवं विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी साथ ही जल उत्सव पखवाड़ा कार्यक्रम 8 मार्च से 22 मार्च 2026 तक आयोजित किये जाने हेतु कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार करने के साथ ही चर्चा एवं अनुमोदन हेतु बैठक आयोजित किया गया है।

उक्त बैठक में समिति के सदस्यों से निर्धारित तिथि व समय में उपस्थित होने को कहा गया है।

अब नियम तोड़े तो सीधे मोबाइल पर चालान, सूरजपुर में ई-चालान सिस्टम लागू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सड़क पर लापरवाही अब महंगी पड़ेगी। यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर सूरजपुर जिले में अब पारंपरिक चालान नहीं, बल्कि डिजिटल ई-चालान की कार्रवाई की जाएगी। इसकी शुरुआत रविवार 1 मार्च से कर दी गई है, जिसके बाद से जिलेभर में यातायात व्यवस्था को लेकर नई सख्ती देखने को मिल रही है।

जिले के यातायात प्रभारी बृजकिशोर पांडेय ने बताया कि यह नई व्यवस्था एसएसपी प्रशांत सिंह ठाकुर के निर्देश पर लागू की गई है। इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना, पारदर्शिता बढ़ाना और मौके पर होने वाले अनावश्यक विवादों को खत्म करना है। ई-चालान प्रणाली के तहत फिलहाल नो पार्किंग में वाहन खड़ा करना, सीट बेल्ट नहीं लगाना, नो एंट्री में प्रवेश करना, यातायात संकेतों की अवहेलना करते पाए जाने पर वाहन चालक को सीधे ई-

चालान जारी किया जाएगा, जिसकी सूचना मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। ज्ञात हो कि यातायात पुलिस अब डिजिटल डिवाइस के माध्यम से वाहन का नंबर दर्ज कर मौके पर ही ऑनलाइन चालान काटेगी। वाहन का पंजीयन नंबर डालते ही वाहन मालिक की पूरी जानकारी सिस्टम में सामने आ जाएगी। इसके बाद नियम उल्लंघन का विवरण दर्ज कर चालान जनरेट किया जाएगा।

चालान की राशि ऑनलाइन जमा की जा सकेगी। इससे नकद लेन-देन की आवश्यकता खत्म होगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी। यातायात प्रभारी बृजकिशोर पांडेय ने कहा कि इस व्यवस्था से सड़क पर तैनात जवानों और वाहन चालकों के बीच होने वाले विवाद की स्थिति समाप्त होगी। अब न तो बहस की गुंजाइश रहेगी और न ही मौके पर किसी प्रकार की बहाना-बाजी चलेगी। कैमरा और डिजिटल रिकॉर्ड ही अंतिम प्रमाण होगा।एसएसपी प्रशांत सिंह ठाकुर के निर्देश पर शुरू की गई इस पहल को सड़क सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन का मानना है कि जब चालान की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और सख्त होगी, तो लोग स्वेच्छा से नियमों का पालन करेंगे।

जनता की मिली-जुली प्रतिक्रिया

जहां एक ओर जिम्मेदार नागरिक इस पहल का स्वागत कर रहे हैं, वहीं कुछ वाहन चालकों में सख्ती को लेकर हलचल भी देखी जा रही है। हालांकि पुलिस का साफ कहना है कि यह कदम किसी को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

गुलाब स्व-सहायता समूह की पहल, हर्बल व जैविक गुलाल से स्वस्थ एवं पर्यावरण का दे रही संदेश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत महिलाओं की आजीविका संवर्धन एवं आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम भनौरा में गुलाब स्व-सहायता समूह द्वारा पूर्णतः जैविक एवं हर्बल गुलाल निर्मित किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल सुरक्षित है।

वर्तमान समय में बाजार में उपलब्ध रासायनिक रंगों एवं गुलाल के उपयोग से त्वचा संबंधी एलर्जी, संक्रमण तथा अन्य दुष्प्रभावों को देखते हुए समूह की महिलाओं ने प्राकृतिक वस्तुओं से निर्मित हर्बल गुलाल तैयार कर स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दे रहीं है। समूह द्वारा तैयार गुलाल में जैविक अरारोट पाउडर, पलाश के फूल, पालक साग का पाउडर तथा खाद्य-ग्रेड प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जा रहा है। जो की त्वचा के लिए सुरक्षित है। जिला प्रशासन के सहयोग से कार्यक्रमों तथा विभिन्न शासकीय आयोजनों में समूह को स्टॉल लगाने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके माध्यम से हर्बल गुलाल का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा विभिन्न शासकीय कार्यालयों, संस्थानों एवं स्थानीय बाजारों में व्यक्तिगत संपर्क कर उत्पादों की बिक्री की जा रही है।

जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक, शासकीय कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी भी हर्बल गुलाल को प्राथमिकता से क्रय कर महिला समूहों की आजीविका को सशक्त करने में सहयोग दे रहे हैं। पूर्व कार्यक्रम में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज के द्वारा भी गुलाब स्व-सहायता समूह की दीदियों से हर्बल गुलाल क्रय कर उनके प्रयासों की सराहना की गई तथा उत्साहवर्धन किया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से बदलता ग्रामीण परिवेश

समूह में जुड़कर पुष्पा बनी लखपति दीदी, सालाना 1 लाख से भी अधिक आय कर रही अर्जित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्रामीण अंचलों में महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का असर अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। जिले के शंकरगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चराई की निवासी पुष्पा पैकरा इसका उदाहरण हैं। जो समूह से जुड़कर लखपति दीदी के रूप में जानी जा रही हैं।

कभी सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करने को मजबूर पुष्पा एक सफल राइस मिल संचालिका बन चुकी हैं। उन्होंने ओम महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन की दिशा बदली है साथ ही, गांव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं। वे बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले परिवार की आय मुख्यतः कृषि एवं मजदूरी पर निर्भर थी। कृषि से लगभग 35 हजार रुपये

और मजदूरी से लगभग 25 हजार रुपये वार्षिक आय होती थी। कुल मिलाकर परिवार की सालाना आय करीब 60 हजार रुपये थी, जिससे परिवार की आवश्यकताएं मुश्किल से पूरी हो पाती थीं। जिसके कारण बच्चों की शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी सीमित संसाधनों के कारण प्रभावित होती थीं।

ओम महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद पुष्पा को समूह से एनआरएलएम अंतर्गत सामुदायिक निवेश निधि 30 हजार रुपये एवं कैश क्रेडिट लिमिट 40 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। जिससे पुष्पा ने राइस मिल की स्थापना का निर्णय लिया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर चावल प्रसंस्करण का कार्य प्रारंभ किया। आज उनकी मिल नियमित रूप से संचालित हो रही है जिससे गांव के किसानों को भी सुविधा मिल रही है।

राइस मिल के सफल संचालन से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। अब पुष्पा की वार्षिक आय 1 लाख 26 हजार रुपये तक पहुंच गई है। आर्थिक सुदृढ़ता के साथ परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। आय में इस वृद्धि ने पुष्पा को आत्मनिर्भर बनाया है और वे लखपति दीदी की संकल्पना को सार्थक कर रही हैं। अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया है।

दस दिन पूर्व फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष पंचमी को मनाते हैं होली का त्योहार चेरवा जनजाति

एक दिन बाद ग्राम बैकोना में, एक दिन पहले सेमरा कला में होली पर्व मनाने की आदिकाल से चली आ रही परम्परा

सरगुजा अंचल में जनजातियों की होली की अनोखी परंपरा, एक माह तक किया जाता होरी गीतों का गायन-अजय चतुर्वेदी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। होली का पर्व हिंदी पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को, बसंत ऋतु में मनाया जाता है, इसलिए इसे बसंतोत्सव भी कहा जाता है। हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार को फगुआ, फागुन, धूलेंडी, छारंडी, और दोल के नाम से भी जाना जाता है। पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार प्राप्तकर्ता साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी, राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता ने सरगुजा अंचल की जनजातियों की होली पर शोध कार्य करके होली त्योहार से जुड़े आदिम जनजातियों की मान्यताएं और परंपराओं पर विस्तृत शोध किया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के उत्तरांचल में जनजातीय बहुल संभाग सरगुजा है। यहां गोंड़, कंवर उरांव, कोडाकू, कोरवा, पंडो, खैरवार, चेरवा और अगरिया जनजाति के लोग मुख्यतः निवास करते हैं। ये जनजातीय त्योहारों के साथ-साथ होली भी पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाते हैं। त्यौहार से जुड़े सभी जनजातियों में अलग-अलग किवदंती एवं मान्यताएं प्रचलित हैं। सरगुजा अंचल में स्थानीय जनजातीय समुदाय के लोग अपने पारंपरिक लोक त्योहारों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक होली भी मनाते हैं।

ग्राम खजूरी, बैकोना, सेमराकला की होली

होली पर्व के लेकर एक मान्यता प्रचलित है कि ग्राम खजूरी में होली मनाने के एक दिन बाद ग्राम बैकोना में होली मनाई जाती है। क्षेत्रीय कंवर समाज के अध्यक्ष रामकिशुन पैकरा ने बताया कि उनके पूर्वज प्राचीन समय से ऐसी ही होली मनाते आ रहे हैं। उनका मानना था कि ग्राम खजूरी पुरुष रूप और ग्राम बैकोना महिला रूप है, इसलिए खजूरी के बाद बैकोना में होली मनाई जाती है। ऐसा नहीं होने पर कोई अनिष्ट होता है। बैंकोना निवासी द्वारिका प्रसाद ने बताया कि उनके पूर्वज बताते हैं कि इस नियम का पालन नहीं करने पर गांव में कोई घटना घट जाती है। सेमरा कला में होली पर्व के एक दिन पहले होली मनाने की परम्परा आदिकाल से चली आ रही है। ग्रामीण समविलास का कहना है कि उनके गांव में एक दिन पहले ही होली मनाई जाती है। यदि यह नियम पिछड़ जाता है तो नहीं फलता है।

कंवर जनजातिः होली के एक दिन पहले भरते हैं सम्मत

सरगुजा अंचल में कंवर जनजाति के लोग फाल्गुन महीना के पहले दिन से लेकर अंतिम दिन तक पूरे एक माह तक गांव में घूम-घूम कर सरगुजिहा बोली में होली गीतों का गायन झांझ, मजिरा और मांदर वाद्य यंत्रों के साथ करते हैं। होलिका दहन के दिन इसी स्थल पर होली गीतों का गायन किया जाता हैं। कंवर जनजाति में होली के एक दिन पूर्व सम्मत भरा जाता है। इसके लिए गांव के बाहर एक स्थल का चयन किया जाता है। इस स्थल पर गाय के गोबर से पोताई करके सेमर वृक्ष की डाली को काट कर गाड़ा जाता है। इसके बाद गांव के सभी लोग मिलकर उसके चारों तरफ लकड़ियां इकट्ठा करते

हैं। सेमर वृक्ष की डाली को गांव का कोटवार जंगल से काट कर लाता है। मान्यता है कि इस डाली को एक बार में ही काटा जाता है। गांव का बैगा (पुरोहित) सम्मत स्थल पर विधि विधान से पूजा-अर्चना करता है। पूजा में चावल, अगरबत्ती, खर, और जल रहता है। साथ ही एक करिया चिंयां (काला चूंजा) चरा कर भरी हुई सम्मत में डालकर बैगा अग्नि सुलगाता है। सेमर के टुकड़े को प्रह्लाद और उसके चारों तरफ रखी हुई अन्य लकड़ियों को होलिका का प्रतीक मानते हैं। अंत में होलिका जल जाती है और प्रह्लाद, सेमर की लकड़ी बच जाता है। सुबह होलिका दहन स्थल की राख को पांच लोग लेकर ग्राम देवस्थल पर जाते हैं, और महादेव-पार्वती को लगाते हैं। इसके बाद सभी एक-दूसरे को उसी राख का टीका और अबीर, गुलाल लगाकर होली खेलना प्रारंभ कर देते हैं। इसे ही धूर उड़ाना कहते हैं।

जलती हुई लूठी दागने से मिलता है यह लाभ

सूरजपुर जिला के विकासखंड प्रतापपुर, ग्राम बैकोना निवासी भंवरनंद पैकरा 35 वर्ष ने बताया कि कवंर जनजाति में अनेक मान्यताएं प्रचलित हैं। पहली मान्यता है कि किसी वृक्ष में फल नहीं लगता है, तो होलिका दहन स्थल की जलती हुई लूठी से उस वृक्ष को दागने से उसमें फल लगना प्रारंभ हो जाता है। होलिका दहन संबंधित दूसरी मान्यता प्रचलित है कि यदि कोई जानवर बोलता नहीं है या मालिक की बातों को नहीं सुनता है, तो जलती हुई लूठी से दागने से वह ठीक हो जाता है। होलिका दहन संबंधित तीसरी मान्यता प्रचलित है कि होलिका दहन के बाद बची हुई सेमर की लकड़ी को शिकार संबंधित हथियारों तीर, धनुष, गुलेल और जाल में लगाने से अच्छी सफलता मिलती है। इसलिए इसके बचे हुए टुकड़े को सभी लोग अपने-अपने घर अवश्य ले जाते हैं। होलिका दहन से संबंधित चैथी मान्यता है कि होलिका दहन की राख को घर में किसी बीमारी या बाधाओं को दूर करने के लिए उसका टीका भस्म के रूप में लगाने और उसे घोलकर पिलाने से सभी व्याधियां दूर होती हैं। इसलिए इस स्थल की राख को अपने घर में साल भर सुरक्षित रखते हैं। पांचवी मान्यता प्रचलित है कि होलिका दहन के दूसरे दिन इस स्थल पर तप करने से सभी मन्नतें पूरी होती हैं। कंवर जनजाति के लोग भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण से संबंधित मनमोहक होली गीतों का गायन करते हैं। लक्ष्मण को शक्ति बाण लगते समय का वर्णन इस होली गीत में मनोहारी चित्रण मिलता है।

होली गीत में सीता हरण का करते हैं वर्णन

गोंड जनजाति में रेंड़ी वृक्ष की डाली को काटकर गाड़ा जाता है। इसके बाद गांव के सभी लोग मिलकर उसके चारों तरफ लकड़ियां इकट्ठा करते हैं। चटकाही रेंड़ी वृक्ष की डाली को गांव का बैगा काट कर लाता है। गांव का बैगा सम्मत स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करता है। पूजा में चावल, अगरबत्ती, खर, दारू, जल रहता है। साथ ही एक करिया चिंयां चरा कर भरी हुई सम्मत में डालकर बैगा अग्नि सुलगाता है। रेंड़ी वृक्ष चटकाही रेड़ी की डाली को प्रह्लाद और उसके चारों तरफ रखी हुई अन्य लकड़ियों को होलिका का प्रतीक माना जाता हैं। प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम सौतार निवासी हेमंत कुमार आयम 51 वर्ष ने बताया कि एक मान्यता प्रचलित है कि किसी वृक्ष में फल नहीं लगता है, तो होलिका दहन स्थल की जलती हुई लूठी या जलती लकडी से वृक्ष को दागने से उस में फल लगना प्रारंभ हो जाता है। गोंड जनजाति में भी भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण से संबंधित मनमोहक होली गीतों का गायन किया जाता हैं। सीता हरण के बाद का सुंदर चित्रण इस होली गीत में सुनने को मिलता है। इसके अंश हैं, ए होरी रे...अशोक विरूछ तरी छोड़ तो रखें। रानी जो मंदोदरी हर मिले बर आए, मोला छोड़ राखे। रानी मंदोदरी हर मिले बर आए।

मुर्गी का अंडा डालकर बैगा सुलगाता है अग्नि

सूरजपुर जिला के विकासखंड ओडगी अंतर्गत ग्राम कुदरगढ़ निवासी चेरवा जाति के धनंजय बैगा 40 वर्ष ने बताया कि कुदरगढ़ क्षेत्र में समाज के लोग होली से दस दिन पूर्व फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष पंचमी को होली का त्योहार मनाते हैं। एक दिन पूर्व शाम को सम्मत भरा जाता है। गांव के बाहर एक स्थल का चयन कर वहां सेमर वृक्ष की डाली को काट कर गाड़ा जाता है। इसके बाद गांव के सभी लोग मिलकर उसके चारों तरफ लकड़ियां इकट्ठा करते हैं। सेमर वृक्ष की डाली को गांव का बैगा जंगल से काट कर लाता है। गांव का बैगा सम्मत स्थल पर विधि-विधान से पूजा अर्चना करता है। पूजा में चावल, अगरबत्ती खर, जल रहता है। साथ ही एक करिया चिंयां चरा कर जंगल में छोड़ दिया जाता है, और सम्मत में मुर्गी का एक अंडा डालकर बैगा अग्नि सुलगाता है। सेमर के टुकड़े को प्रह्लाद और उसके चारों तरफ रखी हुई अन्य लकड़ियों को होलिका का प्रतीक मानते हैं। अंत में होलिका यसभी लकड़ी जल जाती है और प्रह्लाद बच जाता है। चेरवा जनजाति में प्रचलित हैं कि जलती हुई होलिका में चावल डालने से कई प्रकार की परेशानी जलकर राख हो जाती हैं। इसलिए वे जलते हुई सम्मत में चावल डालकर कहते हैं कि हे सम्मत बाबा हमारे परिवार से दुख, दर्द, कष्ट, रोग, वैर और परेशानियों को जलाकर राख कर दें।

करिया चिंयां सम्मत में डालकर बैगा सुलगाता है अग्नि

ओड़गी विकासखंड में पंडो जनजाति की होली के बारे में ग्राम लांजीत की श्रीमती अतवारी पंडो 55 वर्ष का कहना है कि गांव के बाहर एक स्थल का चयन कर वहां चिरचिटा वृक्ष, तेंदू वृक्ष की डाली को काट कर गाड़ा जाता है। इसके बाद गांव के सभी लोग मिलकर उसके चारों तरफ लकड़ियां इकट्ठा करते हैं। गांव का बैगा, पुरोहित जंगल से चिरचिटा वृक्ष की डाली को काट कर लाते हैं। इस डाली को लेने ग्रामीण गाजे-बाजे के साथ जाते हैं, और नाचते-गाते हर्षोल्लास पूर्वक लेकर आते हैं। गांव का बैगा सम्मत स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करता है। पूजा में चावल, अगरबत्ती, खर, जल और दारू रहता है। साथ ही एक करिया चिंयां चरा सम्मत में डालकर बैगा अग्नि सुलगाता है। सुबह सभी लोग अबीर-गुलाल और रंग जलती हुई होलिका में डालने के बाद एक-दूसरे को लगाकर भाईचारे और आपसी प्रेम का परिचय देते हैं। चिरचिटा वृक्ष, तेंदू वृक्ष के टुकड़े को प्रह्लाद और उसके चारों तरफ रखी हुई अन्य लकड़ियों को होलिका का प्रतीक मानते हैं। पंडो समाज होलिका दहन के राख का उपयोग जर, बुखार, खाज-खुजली और खसरा ठीक करने में करता है।

पारंपरिक हथियार तीर-धनुष से लगाते हैं निशाना

बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के विकासखंड वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम कोगवार निवासी अखिलेश कुमार पंडो ने बताया कि वाड्रफनगर क्षेत्र के कुछ गांवों में होलिका दहन में सेमर वृक्ष की डाली गाड़ा जाता है। विकासखंड अंबिकापुर के ग्राम पंचायत चठिरमा के आश्रित गांव बढ़नीझरिया निवासी नरेश प्रसाद पंडो ने बताया कि उनके यहां बैगा के पूजा कराने के बाद गांव का बुजुर्ग व्यक्ति होलिका दहन करता है। होलिका दहन में सेमर वृक्ष की डाली रहता है। मान्यता प्रचलित है कि होलिका दहन स्थल की राख को दलदल खेत और फल न लगने वाले वृक्ष में डालने से लाभ मिलता है। पंडो जनजाति, होलिका दहन के बाद बची हुई लकड़ी को अपने पारंपरिक हथियार तीर-धनुष से निशाना लगाते हैं। निशाना लगाने के पीछे मान्यता है कि इससे बुराई, वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका की लकड़ी प्रतीकात्मक प्रह्लाद से दूर हो जाए। इसके बाद बची हुई लकड़ी के टुकड़े से सभी को टीका लगाकर, उस स्थल की राख को चारों तरफ फेंककर धूर उड़ाते हैं और होली खेलना प्रारंभ कर देते हैं।

होली की अग्नि से जलाते हैं घर का चूल्हा

उरांव जनजाति में होली के पूर्व शाम को होलिका दहन के लिए सम्मत भरा जाता है। इसके बीच में सेमर की लकड़ी गाड़ी जाती है, चारों तरफ अन्य लकड़ियां रखी जाती हैं। सेमर की लकड़ी को गांव का बैगा जंगल से काट कर लाता है, और विधि-विधान से होलिका दहन स्थल पर गाड़ता है। भोर में दारू, फूल, अच्छत, चावल, जल और अगरबत्ती से पूजा-अर्चना कर होलिका दहन करता है। उरांव जनजाति के सरगुजा जिले के विकासखंड सीतापुर, ग्राम पंचायत ढ़ोढ़ागांव के आश्रित ग्राम बोड़ा झरिया निवासी सुंदर राम किंडो 60 वर्ष ने बताया कि उनके समाज में इस स्थल की अग्नि को अपने घर ले जाकर उसी से घर का चूल्हा जलाकर पकवान पकाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि होली के दिन से घर में अच्छाई रूपी अग्नि प्रज्वलित होती है, इसलिए ऐसा किया जाता है।

सेमर के ठूंठ में पत्थर से लगाते हैं निशाना

कोड़ाकू जनजाति में होलिका दहन के दिन शाम से ही पारंपरिक वाद्य यंत्र के साथ फाग गीत गाया जाता है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चंपापुर निवासी बेनेदिक कुम्हारिया 40 वर्ष का कहना है कि होली की पूर्व संध्या में सभी गांव वाले सम्मत भरते हैं। सम्मत के बीच में सेमर की लकड़ी को बैगा द्वारा पूजा-अर्चना करके गाड़ा जाता है। सेमर की लकड़ी लेने बैगा के साथ चार-पांच कुंवारे लड़के जंगल जाते हैं और कुंवारे सेमर, अर्थात जिसमें कभी टांगी न चली हो, ऐसी लकड़ी काट कर लाते हैं। भोर में होलिका दहन के पूर्व बैगा चावल, फूल अगरबत्ती और धूप से पूजा-अर्चना कर एक करिया चिंयां चरा कर सम्मत में डालकर अग्नि सुलगाता है। ग्रामीण लोग पटाखे फोड़कर खुशियां मनाते हैं। जब पूरी लकड़ी जल जाती है तो बची हुई सेमर की ठूंठ को गामीण 50 फीट की दूरी से पत्थर से निशाना लगाते हैं, जिसका निशाना लग जाता है, उसे ग्राम प्रमुख के द्वारा एक महुआ का पेड़ ईनाम में दिया जाता है। इसके बाद सेमर की ठूंठ को जमीन के बराबर काटा जाता है। फिर खोदकर निकालते हैं, और उसे 4 भाग में फाड़कर वहीं छोड़ देते हैं। सभी लोग वहां की राख से ही होली खेलना प्रारंभ कर देते हैं। ग्रामीण लोग गोबर के कंडे में उस स्थल की अग्नि को अपने घर ले जाकर उसी से चूल्हा जलाकर पकवान पकाते हैं। इससे घर में अच्छाई रूपी अग्नि का प्रवेश और बुराई चली जाने की मान्यता है। होलिका दहन करने के बाद नदी में स्नान करके ही अपने घर में प्रवेश करते हैं।

अजय कुमार चतुर्वेदी
राज्यपाल पुरस्कृत

साहू संघ की संभागीय बैठक में धूमधाम से माता कर्मा जयंती मनाने लिया गया निर्णय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला मुख्यालय के मंगल भवन में सोमवार को साहू समाज की संभागीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें माता कर्मा जयंती की भव्य तौयारियो को लेकर समाज के प्रदेश के मुखिया निरेंद्र साहू ने कहा कि समाज की आराध्य देवी माता कर्मा की प्रदेश स्तरीय जयंती सरगुजा संभाग में धूमधाम से मनाई जाएगी। प्रदेश ने निर्णय लिया है कि संभागों में साहू समाज के संत महात्माओं की जयंतियां मनाई जाएगी। आदिवासी समाज के बाद प्रदेश में सबसे बड़ा साहू समाज है जो पूरे छत्तीसगढ़ में फैला हुआ है उन्होंने कहा कि गांव-गांव में समाज के जागरूकता का संदेश लेकर जाएंगे और अंतिम व्यक्ति तक समरसता एवं भाईचारा का संदेश देने का प्रयास करेंगे। समाज मैं व्याप्त कुरीतियों, नशा पान को जड़ से समूल नष्ट करना है जो सामाजिक बंधु इस कार्य में मेरा साथ देना चाहते हैं मेरे साथ चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष इस जागरूकता के संदेश को कर्मा रथ के माध्यम से गांव-गांव में जाकर अलख जगाने का प्रयास करें। समाज को जो राजनीतिक पार्टियां आगे बढ़ाएंगी हमारा समाज उनका सहयोग करेगा अन्यथा सबक भी सिखाएंगे। संभाग से आए समस्त जनों का उन्होंने आभार व्यक्त किया। स्वागत भाषण देते हुए जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वर्तमान साहू समाज के संरक्षक रामकृपाल साहू ने कहा जब से प्रदेश का नेतृत्व डॉक्टर निरेंद्र साहू संभाले हैं

महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। नवीन शासकीय महाविद्यालय रघुनाथनगर में वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का तृतीय संस्करण हुआ संपन्न नवीन शासकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 का वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत गणमान्य अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलित कर की तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। विद्यार्थियों की प्रतिभा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और शैक्षणिक उपलब्धियों की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने की संस्था के सहायक प्राध्यापक रेवती प्रसाद के द्वारा महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा गया। विद्यार्थियों ने एकल एवं समूह नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंगीन वेशभूषा और सुसंगठित प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। बी.ए. एवं बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा शहीद के जीवन पर आधारित हृदयस्पर्शी नाटक ने दर्शकों को भावुक कर दिया। देशभक्ति और बलिदान की भावना से ओत-प्रोत इस प्रस्तुति को खूब सराहना मिली। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति पर आधारित रैम्प वॉक रहा। पुरस्कार वितरण समारोह के अंतर्गत शैक्षणिक, खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन प्रवीण मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। महाविद्यालय प्रशासन, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं यादगार बना। यह वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों के लिए न केवल प्रतिभा प्रदर्शन का मंच बना, बल्कि सांस्कृतिक एकता, देशभक्ति और सामाजिक चेतना का प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत कर गया।

शांति समिति की बैठक में कलेक्टर बोले-भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाएं त्यौहार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। होली एवं ईद पर्व को लेकर सोमवार को यहां जिला कार्यालय में कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने शांति समिति की बैठक ली। बैठक में जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा पर्वों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि समस्त पर्वों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ त्यौहार मनाएं। बैठक में विद्यार्थियों की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर नियमानुसार प्रतिबंध लगाने तथा निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने चर्चा की गई।

महाविद्यालय में हुआ विकसित भारत युवा संसद का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय में ह्यमेरा युवा भारतह्य सरगुजा के मार्गदर्शन में तथा प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे के संरक्षण में ह्यविकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026ह्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य विषय ह्यआपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सीखह्य रखा गया। जिसमें युवाओं ने भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे कठिन दौर पर गहन विमर्श किया। कार्यक्रम में जिले के 18 से 23 वर्ष के विद्यार्थियों ने अपना तर्क रखा। इस अवसर पर चर्चा के केंद्र में 1975 के आपातकाल से मिलने वाले सबक रहे। युवा वक्ताओं ने पुरजोर तरीके से कहा कि आपातकाल ने देश को सिखाया कि नागरिक स्वतंत्रता प्रेस की आजादी और एक स्वतंत्र न्यायपालिका लोकतंत्र के अनिवार्य स्तंभ हैं। प्रतिभागियों ने तर्क दिया कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब भावी पीढ़ी संवैधानिक मूल्यों और मौलिक अधिकारों के प्रति सजग रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य और निर्णायक मंडल ने छात्रों की तार्किक शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। यह आयोजन न केवल एक प्रतियोगिता थी। बल्कि युवाओं के लिए लोकतांत्रिक सजगता का एक सशक्त मंच साबित हुआ। निर्णायक मंडल में सी. बी. मिश्र कुलसचिव पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय डिप्टी कलेक्टर सुनील अग्रवाल, महाविद्यालय से डॉ. प्रतिभा कश्यप, डॉ.अखिलेश द्विवेदी, कन्या महाविद्यालय से डॉ. विनोद कुमार साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय तथा कन्या महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सन् 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान संगठन के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। वहीं, इस युद्ध में दोनों ओर से सैकड़ों लोगों के मारे जाने की भी खबरें हैं। इस विवाद की मुख्य जड़ पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को माना जा रहा है। इसके अलावा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। कुल मिलाकर दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

क्या युद्ध का आगाज है पाक वर्सेज अफगान

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था।

सन् 2021 में अफगानिस्तान में फिर से तालिबान तंजीम के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। उल्लेखनीय है कि टीटीपी द्वारा पाकिस्तान के अनेक सैन्य और नागरिक इलाकों पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था। विगत अनेक दशकों के दौरान हुकूमत ए पाकिस्तान अफ़गान तालिबान को प्रबल समर्थन प्रदान करना अपने राष्ट्रीय हित का मामला मानती रही।

सैन्य युद्ध जारी रखने का ऐलान

अब तो नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। आसिफ ने इल्जाम आयद किया है कि अफगानिस्तान की सरजमीं से पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमणकारी साजिशें परवान चढ़ती रही हैं और पाकिस्तान पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। तालिबान हुकूमत के सैन्य प्रवक्ता ने फरमाया है कि जब कभी हम पर पाकिस्तान द्वारा सैन्य हमला अंजाम दिया जाएगा तो फिर हम समुचित सैन्य प्रतिउत्तर प्रदान करेंगे, लेकिन हम कभी पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष प्रारंभ नहीं करेंगे। यक्ष प्रश्न है कि यदि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक लंबी और फुल स्केल जंग शुरू हो जाती है तो फिर इसका क्या परिणाम मुमकिन हो सकता है। यह संभव है कि अफगान विरुद्ध पाक जंग के परिणाम स्वरूप गंभीर क्षेत्रीय अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए अफगान विरुद्ध पाक जंग का एक सकारात्मक परिणाम भी हो सकता है कि पाक हुकूमत भारत की ओर से अपना रुख मोड़ लेने पर मजबूर हो सकती है।

कूटनीतिक बातचीत शुरू

अनेक विवेचकों का विचार है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य किसी बड़े युद्ध की संभावना फिलहाल नहीं प्रतीत हो रही है। विगत अनेक वर्षों से जब से तालिबान अफगानिस्तान में सत्तानशीन हुए हैं, तभी से यह सिलसिला निरंतर चलता रहा है कि पाकिस्तान फौज अफगानिस्तान पर हमला अंजाम देती है और फिर तालिबान जवाबी कार्रवाई करते हैं, सीमा पर तनाव उत्पन्न होता है और कूटनीतिक बातचीत शुरू हो जाती है। अफगानिस्तान के हालात को देखते हुए यह मुमकिन नहीं है कि तालिबान हुकूमत वस्तुतः पाकिस्तान के विरुद्ध किसी बड़ी जंग का आगाज करेगी, क्योंकि इसके लिए सैन्य क्षमताओं, हवाई संसाधनों, सप्लाई चैन और प्रशिक्षित सैनिकों की बड़ी दरकार होती है। अफगान तालिबान यकीनन पाकिस्तान फौज के प्रत्येक आक्रमण का समुचित उत्तर अवश्य ही देंगे, क्योंकि यह उनकी संप्रभुता और राष्ट्रीय आत्म सम्मान का बुनियादी प्रश्न है। वस्तुतः कूटनीतिक तौर पर हुकूमत ए पाकिस्तान द्वारा तालिबान हुकूमत को टीटीपी के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई अंजाम देने के लिए बातचीत के तमाम तरीके अख्तियार किए जा चुके हैं।

डूरंड लाइन स्वीकार नहीं

अभी तक तालिबान हुकूमत टीटीपी के विरुद्ध कोई भी निर्णायक कार्रवाई के लिए कदाचित तैयार नहीं हुई है। इसके पीछे एक विशिष्ट कारण रहा है कि तालिबान हुकूमत सोचती है कि अगर टीटीपी विरुद्ध फैसलाकुन कार्रवाई की जाएगी तो फिर टीटीपी के लड़ाके अंतरराष्ट्रीय दहशतगर्द तंजीम इस्लामिक स्टेट की तरफ जा सकते हैं, जो कि तालिबान की सबसे बड़ी दुश्मन तंजीम है। टीटीपी वस्तुतः एक खुदमुख्तार और आजाद पख्तूनिस्तान के लिए विगत अनेक विगत दशकों से पाक हुकूमत के विरुद्ध संघर्षरत रही है। अफ़गान वस्तुतः पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को कदाचित स्वीकार नहीं करते हैं। डूरंड लाइन को अफ़गानों को विभाजित और कमजोर करने वाली ब्रिटिश साम्राज्यवादी साजिश की कुटिल कूटनीतिक लाइन करार देते रहे हैं। डूरंड लाइन के दोनों तरफ पख्तूनों की बड़ी आबादी विद्यमान है। पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र के सरहदी इलाकों में बसे हुए पख्तूनों और बलोचों द्वारा पाकिस्तान से मुकम्मल आजादी हासिल करने के लिए एक दीर्घकालीन गोरिल्ला युद्ध निरंतर जारी रहा है। इसी इलाके में टीटीपी का भी उदय हुआ था, जो कि तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान से प्रबल तौर पर प्रेरित रही है और गहन तौर से संबंधित भी रही है। अफगानिस्तान में सत्तानशीं तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान पख्तूनों के प्रभुत्व वाली तंजीम है। यही कारण है कि अफगानिस्तान हुकूमत आजकल पाकिस्तान के लिए भयंकर सरदर्द बनी हुई है। विगत वर्ष अक्टूबर महीने में जब अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर खान मुक्तकी भारत यात्रा पर पधारे थे, उस वक्त भी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक सैन्य संघर्ष हुआ था। अक्टूबर के सैन्य संघर्ष में भी एक-दूसरे को काफी नुकसान पहुंचाने की बात कही गई थी। पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थियों को वापस भेज दिया था।

भारत के लिए अफगान अहम

अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत से पहले भारत और अफगानिस्तान के मध्य अत्यधिक प्रगाढ़ संबंध रहे। दरअसल कूटनीतिक और रणनीतिक तौर से भी भारत के लिए अफगानिस्तान सदैव से महत्वपूर्ण मुल्क रहा है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध 1947 से ही निरंतर तनावपूर्ण बने रहे हैं। 2021 से जब से अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत कायम हुई है, तभी से पाकिस्तान को संतुलित करने के लिए भारत तालिबान हुकूमत से कूटनीतिक बातचीत को सकारात्मक तरीके से निरंतर आगे बढ़ाता रहा है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान की छापामार दहशतगर्दो की कार्यवाहियां दरअसल पाकिस्तान के आंतरिक व्यवस्था की कमजोरी को दुनिया के सामने पेश करती है। इनका बेबोनी आज इल्जाम पाकिस्तान का गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय भारत सरकार पर आयद करता रहा है।

अफगानी तालिबान की शह पर चल रहा टीटीपी

तनाव

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी मौजूदा सैन्य संघर्ष की वजह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। अफगानी तालिबान ने पाकिस्तान पर भी अफगानी तर्ज पर इस्लामी शासन स्थापित करने का सपना देखा है। इस सपने को हाल ही में तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी ने देखा और उसकी घोषणा भी की है, जिसे अफगानी तालिबान का गहरा समर्थन है। मौजूदा अफगान-पाक संघर्ष की बड़ी वजह यही है। पाकिस्तान का आरोप है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान उसके यहां आतंकी कार्रवाइयों को अंजाम देता है। इसी आरोप में पाकिस्तान ने 21 से 26 फरवरी के बीच अफगानिस्तान के काबुल, कंधार, पक्तिका और खोस्त जैसे प्रमुख शहरों में हवाई हमले किए। हालांकि तब पाकिस्तान का दावा था कि उसने टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाया है, जबकि अफगानी तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इसके बाद अफगानी तालिबान की ओर से भी पाकिस्तानी इलाकों को निशाना बनाया जा रहा है। अफगानी तालिबान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को भी निशाना बनाया है। जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में करीब साढ़े छह हजार टीटीपी के लड़ाके हैं। हालांकि एक अन्य अनुमान के मुताबिक, इन दिनों टीटीपी के पास करीब पैंतीस हजार लड़ाके हैं। टीटीपी ने अपने नए सांगठनिक ढांचे का भी ऐलान किया है। इस घोषणा का उद्देश्य खुद को विद्रोही समूह से बदलकर 'समानांतर सरकार' के रूप में स्थापित करना है। टीटीपी ने इसके तहत पाकिस्तान को उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में बांटा है, जिन्हें वह 'वियालत' यानी छाया प्रांत कह रहा है। शासन व्यवस्था के लिए टीटीपी ने खुफिया विंग, आर्थिक निदेशालय, मीडिया इकाई और न्यायिक प्रणाली का भी ऐलान किया है। पहले टीटीपी की गतिविधियां सिर्फ अफगानी सीमा से सटे पाकिस्तान के कुछ इलाकों में ही थीं, लेकिन अब उसने अपनी गतिविधियां खैबर पख्तूनख्वा के साथ-साथ बलूचिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर तक में बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि वह बलूच लड़ाकों को भी समर्थन दे रहा है। टीटीपी धीरे-धीरे लगातार ताकतवर बनता जा रहा है। उसके पीछे माना जा रहा है कि अफगानी तालिबान का प्रत्यक्ष सहयोग है। इसके पास आधुनिक अमेरिकी असॉल्ट राइफलें और मशीन गन हैं। माना जा रहा है कि ये हथियार वे हैं, जिन्हें अमेरिकी सेना भागते हुए अफगानिस्तान में छोड़ गई थीं। टीटीपी का दावा है कि उसने ड्रोन हमलों की क्षमता भी विकसित कर ली है। अपने अंदरूनी इलाके में टीटीपी की बढ़ती भूमिका और शासन के उसके सपने के ऐलान से पाकिस्तान उससे चिढ़ा हुआ है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में आत्मघाती हमले भी बढ़े हैं। यहां के बन्नू और बाजौर इलाकों में ये ज्यादा हुआ है। टीटीपी ने ही दावा किया है कि साल 2025 में उसने पाकिस्तान में 3,573 आतंकी हमलों को अंजाम दिया, जिसमें करीब 3,481 सुरक्षाकर्मी मारे गए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद की वजह डूरंड रेखा भी है, जिसे अफगानी तालिबान नहीं मानता। पाकिस्तान इन वजहों से टीटीपी को अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी को अफगानिस्तान ना सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह और वैचारिक समर्थन मुहैया करा रहा है, बल्कि आर्थिक मदद भी दे रहा है। यह सच है कि पाकिस्तानी सेना के मुकाबले टीटीपी सीधे युद्ध के मामले में कमजोर है, लेकिन गुरिल्ला रणनीति, स्थानीय भूगोल की समझ और बढ़ते अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग ने इसे बेहद घातक संगठन बना दिया है। बहरहाल तालिबान से जूझ रहे पाकिस्तान को देखकर इतना जरूर कहा जा सकता है कि सांप को पालना आखिरकार पालने वाले के लिए ही खतरनाक होता है। सवाल है कि क्या इससे वैश्विक राजनीति कुछ सबक लेगी?

जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं।

काबुल में भारत का बढ़ रहा प्रभाव

रणनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

अगस्त 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तब पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। इस्लामाबाद को लगा था कि उसने अफगानिस्तान में अपनी पसंद की सरकार बनवाकर 'मास्टर स्ट्रोक' खेल दिया है। हालांकि, 2026 तक आते-आते तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज दोनों देशों की सेनाएं डूरंड लाइन पर एक-दूसरे पर गोले बरसा रही हैं और हालात युद्ध जैसे हो गए हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान का 'रणनीतिक दोस्त' उसके लिए 'एक बुरा ख्वाब' बन गया? दरअसल, सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकी अफगान जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और उन्हें तालिबान का संरक्षण प्राप्त है। जिस आतंकी इकोसिस्टम को पाकिस्तान ने दशकों तक पाला-पोसा, वही अब उसके सुरक्षा बलों पर भारी पड़ रहा है। बता दें, तालिबान को खड़ा करने में पाकिस्तान की बड़ी भूमिका रही है। सोवियत-अफगान युद्ध के समय से लेकर अमेरिका के खिलाफ लड़ाई तक, पाकिस्तान ने तालिबान को रणनीतिक संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया। 2021 में जब अमेरिका की वापसी के बाद तालिबान सत्ता में लौटा, तो पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि उसे 'रणनीतिक गहराई' मिलेगी, यानी भारत के खिलाफ एक मजबूत सहयोगी, लेकिन तालिबान ने सत्ता में आने के बाद खुद को पूरी तरह इस्लामाबाद के इशारों पर चलने वाला नहीं दिखाया। उसने अपनी स्वतंत्र नीति अपनाई और भारत जैसे देशों से संपर्क भी बनाए रखा। यही बात पाकिस्तान की सैन्य एस्टेब्लिशमेंट को खल गई। पाकिस्तान को अंदाजा ही नहीं था कि जिसे उसने पाला-पोसा, वही आगे चलकर आंख में आंख डालकर खड़ा हो जाएगा। यह इस्लामाबाद के लिए एक रणनीतिक झटका था। भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगानिस्तान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है- सड़कों, अस्पतालों, संसद भवन और शिक्षा में, लेकिन 2021 के बाद अफगानिस्तान फिर आतंकवादी ठिकानों और क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र बनने का खतरा बना। पाकिस्तान और चीन के बढ़ते प्रभाव ने भारत को यह सोचने पर मजबूर किया कि दूरी बनाकर रखना स्वयं के हितों को नुकसान पहुंचाना होगा। दरअसल कूटनीतिक लिहाज से भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान हमेशा से काफ़ी महत्वपूर्ण रहा है और ख़ासकर पाकिस्तान से भारत के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे हैं, जिससे भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान का महत्व बढ़ जाता है। हालांकि अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान के शासन को क़रीब पांच साल का समय हो गया है और भारत की कोशिश रही है कि पाकिस्तान को साधने के लिए वह तालिबान शासन से बातचीत को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ता रहे।

अगर तालिबान शासन और पाकिस्तान के बीच संघर्ष लंबा चला तो इससे अफ़ग़ानिस्तान कई टुकड़ों में बंट सकता है। ऐसा होना भारत के लिए अच्छा नहीं होगा, क्योंकि कई ग्रुप्स खड़े होने से उनमें से कुछ भारत के ख़िलाफ़ भी हो सकते हैं और क्षेत्रीय स्तर पर यह भारत के लिए ठीक नहीं है। इससे पूरे क्षेत्र में भी अस्थिरता आ सकती है। तालिबान के लिए भी भारत से संवाद जरूरी है- क्योंकि पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते अब उतने सहज नहीं रहे और चीन का आर्थिक प्रभाव भी सीमित है। वहीं भारत सुरक्षा और स्थिरता चाहता है और तालिबान वैधता और सहयोग की तलाश में है। खैर, पाकिस्तान ने तालिबान पर भारत की गोद में बैठने का आरोप लगाया है। भारत और अफगानिस्तान के संबंध पाकिस्तान की आंखों को हमेशा से चुभते रहे हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान हमेशा से ही अपने इलाके में होने वाली किसी भी अप्रिय गतिविधि के लिए भारत और तालिबान को जिम्मेदार ठहराता रहा है। जबकि भारत हमेशा अफगानिस्तान के नागरिकों के लिए मदद का हाथ बढ़ाता रहा है। जब अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, तो भारत ने सबसे पहले मदद भेजी थी। तालिबान ने मानवीय मदद, बुनियादी ढांचे और कूटनीति के लिए नई दिल्ली के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना शुरू कर दिया है। भारत के साथ अच्छे संबंध विकसित करके, तालिबान शासन क्षेत्रीय विरोधियों को यह भी दिखाना चाहता है कि उसके पास विकल्प मौजूद हैं। जैसे-जैसे अफगानिस्तान अपनी साझेदारियां बढ़ा रहा है, पाकिस्तान का उस पर दबाव कम होता जा रहा है।

भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध में भारत की सतर्कता जरूरी

सुरक्षा

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ पत्रकार

आज आज हक्कानी का देश है अफगानिस्तान, कभी इसके कन्धार (तब गांधार) क्षेत्र में महाभारत-कालीन शकुनि का शासन था और कौरव-माता गांधारी यहीं की राजकुमारी थी। महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य का भी एक अंग था, काबुल कंधार तक हरिसिंह नलवा की वीरता के किस्से भी फैले हुए थे। वैसे इसे महाराजा दिलीप सिंह की सल्तनत भी माना जाता था। हमारे बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि गांधारी ने शकुनि को श्राप दिया था कि तेरे साम्राज्य में कभी शांति नहीं रहेगी क्योंकि तेरे छल-कपट से मेरा पूरा परिवार खत्म हो गया है। अब 15 अगस्त, 2021 से पूरा अफगानिस्तान 'तालिबान' सरीखे संगठन की गिरफ्त में है। अब वहां 98.7 प्रतिशत आबादी इस्लामी है। कभी अफगानिस्तान 'सिल्क रूट' (रेशम-मार्ग) का केंद्र भी रहा है। यहां की समृद्धि व अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जुझारू तेवर सदा चर्चा में रहे। एक समय में यहां अमेरिकी व सोवियत सेनाओं का भी कब्जा बना रहा। अब कोई विदेशी सैनिक वहां पर नहीं है। इन दिनों यह इस्लामी देश अपने पड़ोसी इस्लामी देश पाकिस्तान के साथ युद्ध में उतरा हुआ है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा रेखा को 'डूरंड लाइन' भी कहा जाता है। यह सीमा रेखा 2611 किलोमीटर में फैली है।

तालिबान के पास अमेरिकी व सोवियत सेनाओं द्वारा छोड़े गए हथियारों के भण्डार हैं और इधर अमेरिका इस समय पाकिस्तान की पीठ है। वैसे कौन अधिक सशक्त है, इस बात के प्रामाणिक आंकड़े तो उपलब्ध नहीं हैं लेकिन दोनों के पास मांगी, लूटी और खरीदी आधुनिक युद्ध सामग्री के लम्बे-चौड़े भण्डार हैं। पाक परमाणु-सम्पन्न भी है और उधर अफगानिस्तान को भी कुछ मित्र देशों का परमाणु-संरक्षण प्राप्त है। यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। वैसे भी अपनी आदत के अनुरूप पाकिस्तान भारत पर अफगानिस्तान को शह देने का आरोप तो लगाएगा ही। उधर, पाकिस्तान को स्वयं भी बलूचिस्तान के अलगाववादी आंदोलन का भय सताता है। इधर, उसके अपने देश में भी स्थितियां नियंत्रण में नहीं हैं। इस समय वहां जो भी होता है, सेनाध्यक्ष मुनीर की रजा से होता है। मगर जनरल मुनीर को अपनी सेना के लगभग एक लाख सैनिक बलूचिस्तान में भी तैनात करने पड़ रहे हैं और अफगान-सीमा पर भी 50 हजार से अधिक की तैनाती है। अब तक के युद्ध में सैकड़ों के मरने की खबरें तो आ रही हैं मगर अभी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध विराम के लिए दबाव भी आने लगे हैं। मुनीर चाहते हैं कि किसी भी विदेशी दखल से पहले वह तालिबान की वर्तमान सरकार का तख्ता पलटवा दें। बहरहाल, दोनों इस्लामी देशों के बीच भीषण-युद्ध छिड़ चुका है। दोनों को भारी क्षति चुकानी होगी और दोनों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है।

यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है।

चरमरा सकती है अर्थव्यवस्था

पाकिस्तान: पाकिस्तान को मध्य एशिया तक पहुंचने के लिए अफगानिस्तान की जरूरत पड़ती है। कराची और ग्वादर जैसे बंदरगाहों के माध्यम से अफगानिस्तान को समुद्री व्यापार की सुविधा मिलती है। खासकर कराची पोर्ट अफगान ट्रांजिट व्यापार का मुख्य मार्ग रहा है। पाकिस्तान को ट्रांजिट फीस, कस्टम ड्यूटी से राजस्व मिलता है।

अफगानिस्तान : अफगानिस्तान समुद्री रास्ते के लिए पाकिस्तान के बंदरगाहों पर ही निर्भर है। दोनों देशों के बीच तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में उसके आयात-निर्यात पर सीधा असर पड़ सकता है। स्थिर क्षेत्रीय माहौल होने पर विदेशी निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बढ़ सकती हैं।

चीन : दोनों देशों के बीच युद्ध का असर सबसे ज्यादा चीन पर पड़ेगा, क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पाक से होकर गुजरता है। अगर पाकिस्तान आर्थिक तौर पर कमजोर होता है तो इसका असर चीन पर भी पड़ेगा। इसलिए चीन के लिए यह अवसर और खतरा दोनों हैं।

सीमा विवाद : ब्रिटिश शासन के दौरान खींची गई विवाद सीमा रेखा 'डूरंड रेखा' समय-समय पर दोनों देशों के बीच गोलीबारी और राजनयिक तनाव का केंद्र बनी हुई है। डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं।

टीटीपी : पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच मौजूदा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर बना हुआ है। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है।

अफगानिस्तान के लिए आसान नहीं होगी युद्ध की राह

संघर्ष

डॉ. एन.के. सोमानी

वरिष्ठ स्तंभकार

दक्षिण एशिया के प्रमुख इस्लामिक देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसा व संघर्ष का नया दौर शुरू हो गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद कतर और तुर्की की मध्यस्थता में युद्ध विराम हुआ। युद्ध विराम के बाद यह अब तक सबसे बड़ा संघर्ष है। इस खूनी संघर्ष के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले युद्ध का ऐलान कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग अगर बड़े युद्ध का रूप लेती है तो क्या होगा। क्या जंग की यह आग इन्ही दोनों देशों तक सीमित रहेगी या इसकी तपत अन्य देशों तक भी पहुंच सकती है।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम के महज चार माह बाद जिस तरह से दोनों देश यकायक युद्ध के मुहाने पर आ खड़े हुए हैं उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि धर्म के नाम पर समान विचार रखने वाले इन निकट पड़ोसियों के बीच संघर्ष का असल कारण क्या है। एक समय था जब तालिबान इस्लामाबाद की नाक का बाल हुआ करता था। लेकिन, बीते चार साल में दोनों देशों की सरकारें एक-दूसरे के खून की प्यासी हो गई हैं।

हिंसा व संघर्ष की वजह

अगस्त 2021 में जब अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी हुई तो पाक नेताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पाकिस्तान को यह खुशफहमी भी थी कि पाक-तालिबान संबंध उस परम्परागत विचारधारा के आधार पर आगे बढ़ेंगे, जिसका आधार कहीं न कहीं इस्लाम था, लेकिन तालिबान सरकार के मुखिया हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने पाकिस्तान की सरपरस्ती में आगे न बढ़ने और अपनी सरकार को पाकिस्तान की 'पिछलग्गू सरकार' की छवि से बाहर निकलने की कोशिश ने पाक सरकार के उत्साह को जल्द ही ठंडा कर दिया। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विवाद का बड़ा कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है, जो लंबे समय से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है और देश में सख्त इस्लामी शासन (शरिया) की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकवादी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमलों के लिए अफगानिस्तान को एक अड्डे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के इस आरोप के प्रति तालिबान ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उलटा इसे पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा बताकर उससे अपने देश के हालात संभालने की नसीहत देता रहा है। इन्ही आरोप-प्रत्यारोप के चलते पाकिस्तान ने काबुल और दूसरे क्षेत्रों पर कई बार हवाई हमले किए, जिसके कारण दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें भी हुई।

अब सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा।

ताजा संघर्ष की शुरूआत उस समय हुई जब पाकिस्तान ने 21 फरवरी को अफगानिस्तान के भीतर संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान का कहना था कि टीटीपी और बलोच विद्रोही अफगान धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान पर हमले के लिए कर रहे हैं। अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के जवाब में तालिबान सरकार ने डूंरड लाइन पर पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अफगानिस्तान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की 19 चैकियों को तबाह कर दिया और 55 सैनिकों को मार गिराया। उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नजदीक एक सैन्य मुख्यालय पर कब्जा करने व कई पाक सैनिकों को बंदी बनाने का दावा किया है। 55 सैनिकों की मौत व राजधानी पर हमले का जवाब देने के लिए पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक (हक या न्याय के लिए खुदा का कहर) शुरू किया है। ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान की वायु सेना ने काबुल, कंधार और पंक्तिया में तालिबान के ठिकानों, गोला-बारूद के डिपो और सैन्य मुख्यायलयों पर भारी बमबारी की। इस जवाबी हमले में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के 270 से ज्यादा लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है।

पाक का कड़ा संदेश

सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा- 'हमारी बर्दाश्त की हद पार हो चुकी है। पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान में हवाई हमलों और अफगान तालिबान की उचित समय पर भरपूर जवाब देने की धमकी के बाद सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा। खासकर सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के सैन्य समझौते के बाद। सैन्य क्षमताओं का आकलन चाहे किसी भी स्तर पर किया जाए और चाहे कोई किसी पर कितना भी भारी क्यों न हो लेकिन दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

खबर संक्षेप

अविमुक्तेश्वरानंद के बचाव में उतरे सदानंद

मथुरा। द्वारिका शारदापीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर लगे आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने कहा कि यह एक सुनियोजित राजनीतिक साजिश है। सनातन धर्म के आचार्यों को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। वे गोहत्या जैसे मुद्दों को उठाते हैं।

सीतापुर में 13 शिक्षकों को किया बर्खास्त

सीतापुर। यहां 13 शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया है। सभी फर्जी प्रपत्र लगाकर नौकरी कर रहे थे। वर्ष 2024 में तैनाती मिली थी। सत्यापन के बाद शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया था। ये टीईटी का फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी कर रहे थे। बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों को एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

हिंदू बन 200 लोगों से की डेढ़ करोड़ की ठगी

गोंडा। रूस भेजकर नौकरी दिलाने के नाम पर दस जिलों के 200 लोगों से करीब डेढ़ करोड़ की ठगी करने के मुख्य आरोपित शमशाद उर्फ विवेक को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह बिहार जिले के चंपारण का रहने वाला है। शमशाद ने हिंदू बन लोगों को ठगी के जाल में फंसाया है। पुलिस छापेमारी कर रही है।

6 लोग जहरीली गैस का शिकार, 3 की मौत

हाजीपुर। सराय थाना क्षेत्र अंतर्गत अनवरपुर गांव में शौचालय के टंकी के गैस से आधा दर्जन से अधिक लोग मूर्छित हो गए।

पीएम मोदी ने 2 राज्यों को दी करोड़ों की सौगात, परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

कनेक्टिविटी में आएगी क्रांति, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार बढ़ेंगे और लोगों का जीवन बदलेगा

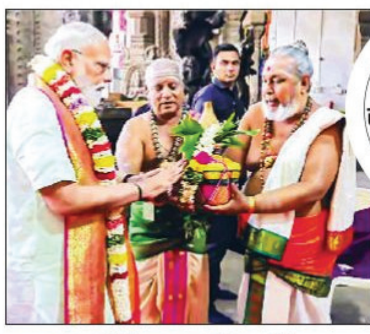

मदुरै में पूजन करते पीएम मोदी

तमिलनाडु में दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी

पीएम मोदी ने कहा- एक दशक में रेल और सड़क मार्गों में हुआ ऐतिहासिक परिवर्तन

एजेंसी ⏭ मदुरै

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के मदुरै में एक सभा को संबोधित किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले दशक में भारतीय रेलवे ने एक ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है, जिसका प्रभाव विशेष रूप से तमिलनाडु में स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में रेलवे बजट आवंटन में 9 गुना वृद्धि हुई है। 1300 किलोमीटर से अधिक नई रेलवे लाइनें बिछाई गई हैं, 97 फीसदी विद्युतीकरण हासिल किया गया है और सैकड़ों फ्लाईओवर व अंडरपास का निर्माण किया गया है, जिससे सुरक्षा और दक्षता में सुधार हुआ है। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि पिछले 12 वर्षों में भारत सरकार ने तमिलनाडु के राजमार्ग नेटवर्क में भारी निवेश किया है। 2014 से यहां 4,000 किलोमीटर से अधिक राजमार्गों का निर्माण किया गया है। दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखते हुए उन्होंने कहा कि यह तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा को सुगम बनाएगा और कृषि उपज तथा समुद्री उत्पादों के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित करेगा।

1300 किमी रेल लाइनों, 97 फीसदी विद्युतीकरण और 4,000 किमी से अधिक राजमार्गों के निर्माण से लोगों की यात्रा सुगम व सुचारू होगी

4,400 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुल मिलाकर, 4400 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया गया है। इन परियोजनाओं से कनेक्टिविटी में क्रांति आएगी, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजित होंगे और लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन आएगा। इससे किसानों को बाजार तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़कें मिलेंगी, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की यात्रा आसान होगी, और व्यवसायों के लिए परिवहन तेज होगा।

पीएम मोदी ने इन परियोजनाओं का किया शिलान्यास

- एनएच मार्गों के मराक्कनम-पुडुचेरी, परमकुडी-रामनाथपुरम खंडों को 4-लेन बनाने की आधारशिला रखी।
- 3 नए आकाशवाणी एफएम रिले ट्रांसमीटरों का उद्घाटन किया। 8 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का भी उद्घाटन किया।

2,700 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, 'बीईएसटी पुडुचेरी'

पुडुचेरी को दी बड़ी सौगात

प्रधानमंत्री ने रविवार को पुडुचेरी में 2,700 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, औद्योगिक प्रगति, शिक्षा, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा और सस्टेनेबल ग्रोथ को गति देने वाले प्रेजेक्ट थे।

एनडीए सरकार पुडुचेरी के विकास को और गति देगी

पीएम मोदी ने कहा कि पुडुचेरी ने प्रति व्यक्ति आय में शानदार बढ़ोतरी दिखाई है। इसने देश में सबसे ज्यादा सामाजिक प्रगति सूचकांक स्कोर भी हासिल किया है।एनडीए सरकार पुडुचेरी के विकास को और गति देगी।

नए भवनों और छात्रावासों का लोकार्पण किया

पीएम मोदी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और गंगा हॉस्टल, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र का लोकार्पण किया।

करासूर-सेदरापेट औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्र को समर्पित किया

उन्होंने 750 एकड़ में फैले करासूर-सेदरापेट औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्र को समर्पित किया। स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने व जल आपूर्ति प्रणालियों में सुधार के उद्देश्य से अलग-अलग जल आपूर्ति परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई।

मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस आज से

भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे सिंधिया, भारत पैवेलियन शुरू करेंगे

नई दिल्ली। स्पेन के बार्सिलोना में 2 से 5 मार्च तक होने वाले मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) 2026 में भारत की भागीदारी का नेतृत्व करेंगे। एमडब्ल्यूसी दुनिया के सबसे बड़े और सर्वाधिक प्रभावशाली टेक्नोलॉजी और मोबाइल सम्मेलनों में से एक है। संचार मंत्री अपनी यात्रा के दौरान एमडब्ल्यूसी 2026 में भारत पैवेलियन का उद्घाटन भी करेंगे। यह पैवेलियन भारत की बढ़ती दूरसंचार निर्माण क्षमताओं और नवोन्मेष पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित करने के लिए वैश्विक मंच मुहैया कराएगा। भारत की मेजबानी में आयोजित सीईओ डिनर में वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ विचार विमर्श करेंगे जिनमें सहभागी नवोन्मेष और भरोसेमंद साझीदारियों के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जाएगा। वह प्रमुख वैश्विक और भारतीय कंपनियों के बूथों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों में भी जाएंगे।

सत्र का मंत्र 'भविष्य के लिए निर्माण'

सिंधिया मुख्य मंच के सत्र 'भविष्य के लिए निर्माण' के दौरान जीएसएमए मंत्रिस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसमें वैश्विक नेता डिजिटल अवसंरचना और उभरते प्रौद्योगिकी फ्रेमवर्क पर चर्चा करेंगे। सिंधिया जीएसएमए मंत्रिस्तरीय मंच पर 'ब्रेकिंग द कॉस्ट बैरियर' विषय पर सत्र में मुख्य समापन भाषण देंगे। यह सेशन दुनिया के लिए किफायती, समावेशी और मापनीय डिजिटल कनेक्टिविटी मॉडलों पर केंद्रित होगा। वह इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 की पूर्व-प्रस्तुति का भी अनावरण करेंगे। आईएमसी की विशेषताओं पर प्रकाश डालेंगे।

मोदी सरकार की विदेश नीति बेनकाब, देश चुका रहा भारी कीमत

कांग्रेस का आरोपः 'ऑपरेशन सिंदूर' और टैरिफ विवाद

⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महासचिव (संचार) जयराम ने रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र सिंह मोदी की विदेश नीति पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि 'स्वयंभू विश्वगुरु' के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और देश को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में रमेश ने कई बिंदुओं पर केंद्र सरकार को घेरा और अमेरिका, पाकिस्तान, चीन तथा पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रमों का हवाला दिया।

अमेरिका–पाकिस्तान संबंधों पर सवाल : कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड को ट्रंप लगातार पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बनाए हुए हैं और ऐसे व्यक्तियों की सराहना कर रहे हैं, जिनके 'भड़काऊ बयानों' ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की।

रमेश ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति सौ से अधिक बार यह कह चुके हैं कि उन्होंने 10 मई 2025 को भारत के निर्यात पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी देकर 'ऑपरेशन सिंदूर' को रुकवाने में अहम भूमिका निभाई।

कांग्रेस का कहना है कि इन दावों पर प्रधानमंत्री मोदी मौन हैं। रमेश के अनुसार, 10 मई 2025 को शाम 5:37 बजे अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस ऑपरेशन को रोकने की घोषणा की थी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर निशाना कांग्रेस नेता ने 2 फरवरी को घोषित भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को "हताश पहल" करार दिया। उन्होंने कहा कि अठारह दिन बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ रणनीति को अवैध और असंवैधानिक ठहरा दिया, जो इस समझौते की बुनियाद थी। रमेश के अनुसार, यह समझौता एकतरफा माना जा रहा है, जिसमें भारत ने कृषि उत्पादों के आयात को उदार बनाने के वादे किए हैं, जबकि अमेरिका की ओर से समान प्रतिबद्धता स्पष्ट नहीं है। रूस से तेल खरीद बंद करने के मुद्दे पर भी सरकार ने स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है।

इजराइल दौरा और ईरान पर हमला : कांग्रेस ने 25–26 फरवरी को प्रधानमंत्री के इजराइल दौरे का भी उल्लेख किया। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री के इजराइल से लौटने के दो दिन बाद अमेरिका–इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू हो गई। कांग्रेस ने इसे भारत के मूल्यों और सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए कहा कि सरकार की प्रतिक्रिया "नैतिक कायरता" का प्रदर्शन है।

चीन मुद्दे पर भी उठाए सवाल : रमेश ने 19 जून 2020 के प्रधानमंत्री के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें चीन को लेकर टिप्पणी की गई थी। कांग्रेस का आरोप है कि इस बयान ने भारत की वार्ता स्थिति को कमजोर किया और अब संबंधों को चीन की शर्तों पर सामान्य बनाने का दबाव है।

शादी के बाद तिरुपति पहुंचे रश्मिका-विजय

भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया

तिरुपति। 26 फरवरी को रश्मिका मांदाना और विजय देवकोंडा ने उदयपुर में शादी कर ली है। पति-पत्नी बन चुके रश्मिका-विजय ने रविवार को आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमाला पहाड़ियों पर स्थित तिरुपति बालाजी (वेंकटेश्वर स्वामी) मंदिर के दर्शन कर नए शादीशुदा जीवन के लिए आशीर्वाद लिया है। उनका यह वीडियो फैंस के बीच काफी पसंद किया जा रहा है।

अनियंत्रित बोलेरो का कहरः राहगीर समेत चार मवेशी चपेट में, युवक गंभीर हालत में रेफर

बीजपुर (सोनभद्र) स्थानीय थाना क्षेत्र के शांति नगर में रविवार सुबह तेज रफ्तार और अनियंत्रित बोलेरो ने जमकर कहर बरपाया। वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि चार मवेशी उसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरसोती निवासी एक युवक बोलेरो वाहन से पुनर्वास की ओर जा रहा था। इसी दौरान शांति नगर स्थित बैढ़न बाईपास रोड पर वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे जा रहे कन्हैयालाल पुत्र अशोक पाल, निवासी शांति नगर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कन्हैयालाल सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

राशन के लिए दर-दर भटक रहे गरीब, बरहमोरी में फूटा जनाक्रोश

कोन (सोनभद्र)। विकासखंड कोन अंतर्गत ग्राम पंचायत बरहमोरी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बदहाल व्यवस्था के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा सड़कों पर उतर आया। महीनों से समय पर राशन न मिलने से परेशान ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और कोटेदार पर तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी नियमों के अनुसार निर्धारित तिथि पर राशन वितरण नहीं किया जा रहा है। गरीब, मजदूर एवं जरूरतमंद परिवारों को बार-बार कोटेदार की दुकान के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें राशन खत्म होने या वितरण न होने का हवाला देकर लौटा दिया जाता है। इससे क्षेत्र के दर्जनों परिवारों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है। सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि फरवरी माह का राशन भी होली जैसे प्रमुख त्योहार से पहले वितरित नहीं किया गया। पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्र होने के कारण यहां के लोगों की आजीविका पहले ही सीमित है, ऐसे में सरकारी राशन ही गरीब परिवारों का मुख्य सहारा है। राशन न मिलने से कई घरों में चूल्हा जलाना तक मुश्किल हो गया है। महिलाओं और बुजुर्गों ने बताया कि उन्हें कई-कई बार दुकान पर जाना पड़ता है, जिससे समय और मजदूरी दोनों का नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ कागजों में तो दिखाया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र के अन्य गांवों को साथ लेकर बड़ा जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कोटेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा नियमित और पारदर्शी तरीके से राशन वितरण सुनिश्चित कराया जाए, ताकि गरीबों को उनके अधिकार से वंचित न होना पड़े। प्रदर्शन में विनय कुशवाहा, कन्हैयालाल, राघवेन्द्र, जितेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, श्रवण कुमार, रामभोग, रजवंती, मालती, सिरपतिया, फूल कुमारी, सोमरी देवी, फूल पतिया सहित दर्जनों महिलाएं एवं बुजुर्ग शामिल रहे। इस संबंध में खाद्य पूर्ति निरीक्षक ओबरा निर्मल सिंह ने फोन पर बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202602031100032

विषयः-अ-2
मामले की श्रेणी राजस्व
सतः-2025-2026
बंधियाखार प.ह.न. 00006 [109/23(0.022020)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार अंजली लकडा पति संजय लकड़ा
अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन

ईश्तहार

एतब द्वारा समस्त आम जनता ग्राम बंधियाखार प.ह.न. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अंजनी लकड़ा पति संजय लकड़ा जाति उरांव निवासी ग्राम बेहरापारा धरमजयगढ़ तहसील धरमजयगढ़ जिला रायगड (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम बंदिवाखार प. ह. नं. 06 स्थित आवेदित भूमि खसरा.नं. 109/23 रकबा 0.0220 हे0 (222.86 वर्गमीटर) का आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी। एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.मु.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 18/03/2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किमी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं. नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/02/2026 को जारी किया जाता है

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क०/6/2025 26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रूचि सोनी पति उमेश सोनी, उम्र-33 वर्ष, जाति सोनार निवासी शीतला वार्ड, सत्तीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदिका के द्वारा अनावेदिका श्रीमती कंचन सोनी पति नीरज सोनी उम्र 43 वर्ष, निवासी शीतला वार्ड सत्तीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा के स्वामित्य व अधिपत्य की शीट नं. 09 मोहल्लों शीतला वार्ड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क. 3354/15 में से रकबा 16७80- 1280 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 01/01/2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अत रक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ०ग० भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/ आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता माध्यम से दिनाक 16/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17/02/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क० अ-/6/2025 26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमन अग्रवाल माता मधु अग्रवाल, उम्र 27 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी मुख्य मार्ग सूरजपुर तह० सूरजपुर जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के द्वारा अनावेदक राजेश अग्रवाल आ० रामऔतार अग्रवाल, उम्र 47 वर्ष, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापर जिला सरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा नगर अनिकापुर स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क्र. 3467/4866/205 रकबा 3065= 1950 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 09/02/2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110, छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक 18/03/ 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाक 26/02/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ.ग

//ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब121/2021-22-2026

ग्राम उमेशपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहरमनिया सिंह पति लाल साय जाति गोड़ निवासी ग्राम उमेशपुर ने न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ.ग द्वारा आवेदक अपने नाना स्व. नंदू राम का मृत्यु दिनांक 5-02-2003 के विलंब मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत अनुलब्धता प्रमाण पत्र मय सहायक दस्तावेज के साथ न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हों तो स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 13-03-2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात दावा आपत्ति में कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक. 27-02-2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया

नायब तहसीलदार
लिंक कोर्ट देवनगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील भटगांव

//ईश्राहार//

रा०प्र०क्र० 160 ब-121/2024-25

आम जनता ग्राम लक्ष्मीपुर को सूचित किया जाता है। कि आवेदक संतोष सारथी आ० स्व समय लाल सारथी जाति घसिया निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने माता धनेश्वरी का मृत्यु दिनाक 12/08/2022 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने माता का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुपलब्धतां प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो यह अपना आक्षेप दिनांक 06/03/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद् ?नुसार कार्यवाही कर दी जायेगी। आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव तहसील भटगांव

नाम परिवर्तन संबंधी सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, शिवनारायण (SHIVNARAYAN), पिता-रंगू लाल, निवासी-गहुवाटोली, ग्राम-कण्डोरा, पोस्ट-कण्डोरा, तहसील-कुनकुरी, जिला-जशपुर (छत्तीसगढ़), द्वारा शपथ-पत्र के माध्यम से यह घोषणा की गई है कि मेरे नाबालिग पुत्र का पूर्व नाम मुंडन सिंह (MUNDAN SINGH) है, जिसे बदलकर नया नाम बंधन सिंह (BANDHAN SINGH) रखा गया है। इस संबंध में मेरे द्वारा अनुविभागीय दंडाधिकारी कुनकुरी, जिला जशपुर के समक्ष शपथ पत्र निष्पादित भी किया गया है। अतः भविष्य में मेरे नाबालिग पुत्र को बंधन सिंह (BANDHAN SINGH) के नाम से जाना एवं संबोधित किया जाए तथा समस्त अभिलेख में बंधन सिंह (BANDHAN SINGH) नाम दर्ज किया जाए।

स्थानः कुनकुरी जिला - जशपुर (छत्तीसगढ़)

घोषणाकर्ता
शिवनारायण
निवासी - गहुवाटोली, ग्राम - कण्डोरा, पोस्ट - कण्डोरा, तहसील - कुनकुरी, जिला - जशपुर (छत्तीसगढ़)

संकल्प' से 'सिद्धि' को समर्पित यह बजट- श्यामबिहारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर । प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के राज्य बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह बजट केवल आँकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की पौने तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला 'संकल्प पत्र' है। यह बजट भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी कार्यप्रणाली का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह बजट भ्रष्टाचार के गढ़ बन चुके पिछले शासन के गड्ढों को भरने और छत्तीसगढ़ को विकास की सुपरफास्ट ट्रैक पर ले जाने वाला है। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने तकनीक और पारदर्शिता के साथ जो वित्तीय ढाँचा तैयार किया है, वह छत्तीसगढ़ को देश के टॉप राज्यों में शुमार करेगा। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने भाजपा जिला कार्यालय में आहूत प्रेस कॉन्फ्रेंस में बजट के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते कहा कि हमारी सरकार का पहला बजट 'ज्ञान' पर आधारित था और दूसरा 'गति' पर। इस वर्ष का बजट 'संकल्प' की थीम पर आधारित है। यह संकल्प है समावेशी विकास का, सुदृढ़ अधोसंरचना का और 'पॉलिसी से परिणाम' तक पहुँचने का। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के स्वप्न को 'विकसित छत्तीसगढ़' के माध्यम से साकार करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। श्री देव ने कहा कि बजट में राज्य के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए सरकार ने 5 विशेष मिशनों की घोषणा की है, जो भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं- सड़कों, पुलों और भवनों के आधुनिक निर्माण के लिए मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन, प्रदेश को तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रणी बनाने हेतु मुख्यमंत्री एआई मिशन, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन, युवाओं को 'जॉब सीकर' के बजाय 'जॉब क्रिएटर' बनाने हेतु मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिश और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन। मजबूत अर्थव्यवस्था के प्रामाणिक आँकड़ों को रेखांकित कर कहा कि छत्तीसगढ़ की जीएसडीपी 12 प्रतिशत की दर से बढ़कर 7,09,553 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। पूंजीगत व्यय में 63 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाती है कि सरकार राज्य में संपत्ति निर्माण पर निवेश कर रही है। राज्य का स्वयं का कर राजस्व 14 प्रतिशत बढ़कर 52,000

करोड़ रुपए होने का अनुमान है। बजट का सबसे बड़ा हिस्सा, यानी 13.5 प्रतिशत, स्कूल शिक्षा के लिए आवंटित किया गया है। बस्तर के सुदूर क्षेत्र अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो भव्य एजुकेशन सिटी बनाई जाएंगी, जो शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाएंगी। प्रदेश के युवाओं के शैक्षणिक भ्रमण के लिए इस युवा दर्शन योजना की शुरूआत का प्रस्ताव बजट में है। मेधावी छात्रों के लिए 'मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना' के तहत आवासीय सहायता दी जाएगी। बस्तर फाइटर में 1500 नई भर्तियों का प्रावधान किया गया है, जो सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। श्री जायसवाल ने कहा कि कृषि प्रधान राज्य होने के नाते बजट में अन्नदाताओं का विशेष ध्यान रखा गया है। कृषि क्षेत्र के लिए 13,500 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर धान खरीदी और उसकी अंतर राशि का एकमुश्त भुगतान भविष्य में भी जारी रहेगा। भूमि विकास बैंक के जरिए कृषि ऋण योजना के लिए 200 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। इंद्रावती नदी पर देवरगांव और मटनार बराज के निर्माण के लिए 2000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है, जो बस्तर के खेतों तक पानी पहुँचाएगा। इसी के साथ बस्तर और सरगुजा में खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण उद्योगों के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। बकरी, सूअर और मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण आय को दोगुना करने का लक्ष्य भी तय किया गया है। श्री जायसवाल ने अधोसंरचना और शहरी विकास के दृष्टिगत बजट प्रस्तावों की चर्चा करते हुए बताया कि स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकास सुनिश्चित करने के लिए 'मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना' के तहत नगरपालिकाओं के विकास हेतु 200 करोड़ रुपए दिए गए हैं। द्रुतगामी सड़क संपर्क योजना के जरिए आर्थिक केंद्रों को जोड़ने के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। 23 नए औद्योगिक पार्कों की स्थापना के लिए 250 करोड़ रुपए का प्रावधान है, जिससे स्थानीय स्तर पर व्यापार बढ़ेगा। श्री देव ने कहा कि बजट में महिला सशक्तीकरण और सामाजिक न्याय पर फोकस करते हुए स्टाम्प ड्यूटी में छूट को स्वागतेय बताते हुए कहा कि महिलाओं के नाम पर संपत्ति (भूमि/भवन) रजिस्ट्री कराने पर पंजीकरण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट देने का प्रस्ताव महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। बजट में लखपति दीदियों के भ्रमण और अनुभव साझा करने के लिए विशेष बजट प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए कैशलेस उपचार की व्यवस्था की जा रही है, जिससे उनके परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। बस्तर और सरगुजा के विकास को प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखा गया है और जगदलपुर व अंबिकापुर में हवाई सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है और पर्यटन के क्षेत्र में होमस्टे योजना के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस दौरान विधायक भूलन सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी भाजपा नेता डॉ राजीव सिंह बाबुलाल अग्रवाल मुकेश गर्ग अशोक सिंह शशिकांत गर्ग संदीप अग्रवाल प्रदीप संत यशवंत सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

कृषि विभाग लखनपुर के सौजन्य से आयोजित किया गया राशि वितरण कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। जनपद पंचायत लखनपुर के सभा कक्ष में कृषक उन्नति योजना के तहत धान अंतर कि राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग लखनपुर के सौजन्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती निरुपा सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष सरगुजा, सभापति विजय अग्रवाल, श्रीमती शशिकला विक्रम सिंह जनपद पंचायत अध्यक्ष लखनपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू, मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, रवि महन्त, महामंत्री विक्रम सिंह, सचिन बंसल, सुरेश सिंह, घरबरन राजवाड़े, सुखसाए पोर्ते, बनवारी आर्मो, विजय सिंह, सी ई ओ. प्रकाश सिंह, समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी, कार्यक्रम में विकास खंड के लगभग सैकड़ों कि संख्या किसान उपस्थित थे और 5 किसानों को बोनस राशि का प्रमाण पत्र मुख्य अतिथि के हाथों वितरण किया गया। एकमुश्त धान बोनस की राशि मिलने से सभी किसान बहुत खुश हुए। इस अवसर पर भाजपा संगठन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि गण और कृषि विभाग के विनायक पांडे, श्रीमती हरित सिंह, श्रीमती प्रेमा बेक, श्रीमती डी के पैकरा, लखन राजवाड़े, कमल पोर्ते, कृष्णा मरावी, बृजलाल पैकरा, संजय प्रधान, गोपीचंद घृतलहरे, संदीप टोप्पो, आत्मा से श्रीमती अश्विनी पैकरा, श्रीमती संध्या सिंह, फसल बीमा के अधिकारी अभय ठाकुर, श्रीमती वेरोनिका सहित समस्त कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बी एस मरावी कृषि विस्तार अधिकारी के द्वारा किया गया।

कृषि मंत्री ने धोन्धा प्रतापपुर में किया कृषि महाविद्यालय का भूमि पूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने आज धोन्धा प्रतापपुर में बहुप्रतीक्षित कृषि महाविद्यालय का विधिवत भूमि पूजन संपन्न किया। उनके द्वारा आज 889.53 लाख राशि से निर्मित होने वाले कृषि महाविद्यालय भवन प्रतापपुर (धोन्धा) व 602.10 लाख से निर्मित होने वाले बालक एवं कन्या छात्रावास भवन प्रतापपुर (धोन्धा) का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह

पैंकरा, जिला पंचायत सदस्य लवकेश पैंकरा, क्षेत्र के किसान, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। भूमि पूजन के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि यह दिन धोंधा प्रतापपुर और संपूर्ण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि इस पावन भूमि पर कृषि महाविद्यालय की स्थापना से किसान बंधुओं की आने वाली पीढ़ियों के लिए उच्च कृषि शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे। मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इस महाविद्यालय के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती के तरीके और कृषि विज्ञान की उच्चस्तरीय शिक्षा अब उनके अपने गृह जिले में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि महाविद्यालय का निर्माण कार्य शीघ्र एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि महाविद्यालय की स्थापना उनके क्षेत्र के लिए एक स्वप्न के साकार होने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय के लिए प्रयास आज सफल हुआ है जिसमें कृषि मंत्री राम विचार नेताम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने ग्रामवासियों एवं किसान बंधुओं से कहा कि अब उनके बच्चों को उच्च कृषि शिक्षा के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों में नहीं भटकना पड़ेगा। विधायक श्रीमती पोर्ते ने यह भी कहा कि यह महाविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र के कृषि विकास और युवाओं के उज्जवल भविष्य की नींव भी रखेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी।

15 दिनों में 15 उद्योगों पर ताला, 9.22 लाख की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने बीते पखवाड़े में बड़ी कार्रवाई की है। 10 से 25 फरवरी के बीच किए गए नियमित और आकस्मिक निरीक्षणों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर 15 उद्योगों के उत्पादन पर रोक लगाते हुए उनका विद्युत विच्छेदन किया गया। मंडल ने इस अवधि में 3 उद्योगों पर कुल 9.22 लाख रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति भी अधिरोपित की है।

स्पंज आयरन उद्योग पर कार्रवाई

ग्राम चरौदा, रायपुर स्थित मेसर्स पुष्प स्टील्स एंड माइनिंग प्रा. लिमिटेड (पूर्व में इंडियन स्टील एंड पावर प्रा. लिमिटेड) में वायु प्रदूषण पाए जाने पर वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31(क) के तहत उत्पादन बंद एवं विद्युत विच्छेदन के आदेश जारी किए गए।

11 इकाइयों पर वायु अधिनियम और जल अधिनियम के तहत कार्रवाई

मेटल पार्क, रावांभाठा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान 9 स्लैग क्रशर, 1 बाइंडिंग वायर इकाई और 1 स्टील फर्नीचर इकाई बिना वैध सम्मति एवं प्रदूषण नियंत्रण उपायों के संचालित पाई गईं। इन सभी 11 इकाइयों के विरुद्ध वायु अधिनियम 1981 की धारा 31(क) और जल अधिनियम 1974 की धारा 33(क) के तहत उत्पादन बंद एवं बिजली काटने की कार्रवाई की गई।

सिलतरा और उरला में भी कार्रवाई

सिलतरा स्थित एसकेए इस्पात प्रा. लिमिटेड (पूर्व नाम- जोरावर इंजीनियरिंग एंड फाउंड्री फोर्ज प्रा. लिमिटेड) में वायु प्रदूषण पाए जाने पर 19 फरवरी 2026 को उत्पादन बंद करने के आदेश जारी हुए। इसी तरह उरला-गोंदवारा स्थित छत्तीसगढ़ फेरो ट्रेडर्स प्रा. लिमिटेड में भी वायु प्रदूषण की पुष्टि होने पर संचालन पर रोक लगा दी गई।

पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर ही मिलेगी अनुमति

मंडल ने स्पष्ट किया है कि जब तक संबंधित उद्योग पर्यावरणीय मानकों, वैधानिक प्रावधानों और सम्मति शर्तों का पूर्ण पालन सुनिश्चित नहीं करेंगे, तब तक उन्हें संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर वायु एवं जल अधिनियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

किसान कांग्रेस के लखनपुर ब्लाक अध्यक्ष बने अजर राम चौधरी

लखनपुर। जिला किसान कांग्रेस सरगुजा के ब्लाक अध्यक्षों की नियुक्ति टी.एस. सिंहदेव पूर्व उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़, आदितेश्वर शरण सिंहदेव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक, प्रदेश कांग्रेस सदस्य विक्रमादित्य सिंह देव, लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित सिंहदेव की अनुशंसा से किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के अनुमोदन पश्चात जिला किसान कांग्रेस सरगुजा अध्यक्ष नागेश्वर यादव द्वारा घोषणा की गई। जिसमें लखनपुर ब्लॉक के किसान कांग्रेस अध्यक्ष अजर राम चौधरी को नियुक्त किया गया है।

सेवा और समर्पण भाव के कारण भारतीय डॉक्टरों को देश के बाहर भी मिलता है सम्मान - डेका

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स रायपुर में रेस्पिरेटरी इंटेंसिव केयर यूनिट का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में एम्स एक विश्वसनीय संस्थान रहा है। जब हम सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा संस्थानों की बात करते हैं एम्स का नाम सबसे ऊपर होता है। यह गर्व का विषय है कि भारत के सभी राज्यों में एम्स की स्थापना हो चुकी है। एम्स रायपुर में इलाज हेतु आए मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस लिहाज से इस संस्थान को

और बड़ी जगह की आवश्यकता पड़ेगी। उन्होंने कहा कि मैं राज्य शासन को यह सलाह दूंगा कि नवा रायपुर में एम्स की स्थापना के लिए भूमि आबंटित करें, ताकि बड़ी संख्या में जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सा सुविधा मिल सकें। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ में सुपर स्पेशलिटी कार्डियक फैसिलिटी की स्थापना पर बल दिया, ताकि हृदय रोगियों को अपने ही प्रदेश में बेहतर इलाज मिल सकें और उन्हें प्रदेश के बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज अथवा एम्स में सुपर स्पेशलिटी कार्डियक फैसीलिटी की स्थापना की जा सकती है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि चिकित्सा सुविधाओं की बढ़ोतरी के कारण प्रदेश में मृत्यु दर में आशानुकूल कमी आई है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है ताकि हम वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बना सकें।

धान मूल्य अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान ऐतिहासिक कदम-लवकेश पैकरा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने छत्तीसगढ़ के 25 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में धान खरीदी के अंतर की राशि (बोनस) के रूप में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की है। किसान मोर्चा पदाधिकारियों ने इसे राज्य के इतिहास का ऐतिहासिक और किसान हित में बड़ा निर्णय बताया है।

'मोदी की गारंटी' को मिली नई उड़ान

भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री लवकेश पैकरा ने कहा कि यह निर्णय ह्यमोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सरकार ने न केवल चुनाव के

समय किया गया 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी का वादा निभाया है, बल्कि किसानों को धान मूल्य के अंतर की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजकर पारदर्शिता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी राशि बिना किसी बिचौलिए के सीधे किसानों तक पहुंचाई गई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम

किसान मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि अंतर राशि मिलने से किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, वे आगामी कृषि कार्यों की तैयारी बेहतर ढंग से कर सकेंगे। होली पर्व से पहले मिली इस राशि से किसानों में उत्साह का माहौल है और उनके त्योहार की खुशियां दोगुनी हो गई हैं।

भाजपा सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह जो कहती है, उसे पूरा भी करती है। यह निर्णय राज्य सरकार की किसान हितैषी नीति और अन्नदाताओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। - लवकेश पैकरा, जिला महामंत्री

एच.एम.एस. द्वारा क्षेत्र में स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर स्थापना के लिए कंपनी कल्याण बोर्ड को लिखा पत्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। कोयला मजदूर सभा (एच.एम.एस.) द्वारा भटगांव क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ह्यस्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इस संबंध में केंद्रीय सचिव दीपक कुमार मिश्रा ने कंपनी कल्याण बोर्ड, एसईसीएल बिलासपुर के माननीय सदस्य एवं केंद्रीय अध्यक्ष बजरंगी साहू को पत्र प्रेषित किया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि भटगांव क्षेत्र अपनी विशिष्ट जनसंख्या संरचना और खेल प्रतिभाओं के बावजूद बुनियादी खेल सुविधाओं के अभाव में पिछड़ा हुआ है। यहां के युवाओं में प्राकृतिक रूप से शारीरिक क्षमता और खेलों के प्रति झुकाव है, लेकिन उचित प्रशिक्षण एवं संसाधनों की कमी के कारण उनकी प्रतिभा उभर नहीं पा रही है।

भौगोलिक दृष्टि से उपयुक्त स्थान

पत्र में बताया गया है कि भटगांव क्षेत्र कोल इंडिया की अन्य खदानों और ग्रामीण अंचलों के केंद्र में स्थित है। यहां ह्यस्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना से न केवल भटगांव, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के श्रमिक परिवारों और स्थानीय युवाओं को भी लाभ मिलेगा।

मौजूदा संसाधनों के उन्नयन पर जोर

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि एसईसीएल के पास पर्याप्त भूमि और कुछ पुराने खेल मैदान उपलब्ध हैं। नए भवन निर्माण की बजाय मौजूदा ढांचे का उन्नयन कर कम लागत में उत्कृष्ट खेल केंद्र विकसित किया जा सकता है।

रोजगार और सामाजिक विकास से जुड़ा पहलू

पत्र में खेलों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि रोजगार का माध्यम बताया गया है। एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, हॉकी और क्रिकेट जैसे खेलों में आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध होने से स्थानीय युवाओं को स्पोर्ट्स कोटा के माध्यम से सरकारी एवं सार्वजनिक उपक्रमों में अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इसे कोल इंडिया की सीएसआर नीति के सामुदायिक विकास लक्ष्यों के अनुरूप भी बताया गया है।

चरणबद्ध विकास का सुझाव

प्रस्तावित योजना के तहत केंद्र को चरणबद्ध तरीके से विकसित करने की बात कही गई है। प्रथम चरण में खेल परिसर का नवीनीकरण, सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक और तीरंदाजी रेंज की स्थापना। द्वितीय चरण में इंडोर मल्टीपर्पज हॉल और आधुनिक जिम का निर्माण। अनुभवी खेल अधिकारियों या पेशेवर प्रशिक्षकों की नियुक्ति। दीपक कुमार मिश्रा ने पत्र में अनुरोध किया है कि कंपनी कल्याण बोर्ड की आगामी बैठक में इस प्रस्ताव को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तुत कर आवश्यक बजट आवंटन की अनुशंसा की जाए। कोयला मजदूर सभा ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस पहल से भटगांव क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की नर्सरी बन सकता है और क्षेत्र का नाम खेल मानचित्र पर स्थापित होगा।

जिले में चला विशेष अभियान, आबकारी अधिनियम के 39 प्रकरण दर्ज

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा सार्वजनिक स्थलों, संभावित संवेदनशील स्थानों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान अवैध मदिरा गतिविधियों में संलिप्त पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए कुल 39 प्रकरणों में 41 लोगों के विरूद्ध कार्रवाई कर 31 लीटर महुआ शराब व 5 लीटर अंग्रेजी शराब जप्त की गई। उक्त अभियान में जिले के समस्त थाना-चौकी की पुलिस टीम सक्रिय, समन्वित एवं सतर्क भूमिका रही, जिनके द्वारा प्रभावी एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

3 महीने का लिखित वादा टूटा, अंधेरे में 24 गांव, सर्वे के बाद ठंडी पड़ी फाइल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। विकास के दावों और डिजिटल इंडिया की चमक के बीच सूरजपुर जिले के पहाड़ी एवं दुर्गम चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के करीब 24 गांव आज भी ढिबरी के भरोसे हैं। कड़ाके की ठंड में 9 दिनों तक चले धरना प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने तीन महीने में विद्युत विस्तार शुरू करने का लिखित आश्वासन दिया था। लेकिन तय समय बीत जाने के बावजूद जमीनी हकीकत जस की तस है। बोर्ड परीक्षाएं जारी हैं, बच्चे मिट्टी के तेल की ढिबरी व मोबाइल टॉर्च की रोशनी में पढ़ाई कर रहे हैं। अभिभावकों का कहना है बिजली नहीं, तो बच्चों का भविष्य कैसे रोशन होगा।

आंदोलन, आश्वासन और फिर सन्नाटा

आंदोलन तब समाप्त हुआ जब भैयाथान एसडीएम ने लिखित रूप से तीन माह में कार्य प्रारंभ कराने का भरोसा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि आश्वासन फाइलों में दबकर रह गया। चुनाव के समय विद्युत सर्वे जरूर होता है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही फाइलें ठंडी पड़ जाती हैं।

वन बाधा या प्रशासनिक सुस्ती?

कई गांव जंगलों से घिरे हैं और कुछ गांव गुरुघासीदास नेशनल पार्क की सीमा में बसे हैं। नेशनल पार्क क्षेत्र में विद्युत विस्तार के लिए केंद्र सरकार की अनुमति आवश्यक है। वन क्षेत्र के 17 मांचों में अनापत्ति मिलने के बाद विद्युत विभाग ने प्रस्ताव शासन को भेजा है। स्वीकृति के बाद अंडरग्राउंड केबल बिछाने की योजना है, पर प्रक्रिया लंबी बताई जा रही है। सवाल यह है कि वर्षों से प्रक्रिया पूरी क्यों नहीं हो पाई? उमझर पंचायत में 8 महीने से सोलर प्लांट बंद बिहारपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत उमझर में क्रेडा द्वारा लगभग 7 वर्ष पूर्व 10 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट लगाया गया था। पिछले 8 महीनों से यह पूरी तरह ठप है। ग्रामीणों के अनुसार प्लांट की बैटरियां खराब हो चुकी हैं, लेकिन न तो बैटरी बदली जा रही है और न ही मरम्मत की कोई पहल हो रही है। स्थिति इतनी गंभीर है कि शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है। जंगल से सटे गांवों में जंगली जानवरों कभी हाथी तो कभी भालू का आना-जाना लगा रहता है, जिससे ग्रामीणों में दहशत बनी रहती है। तीन गांवों में स्वीकृति, बाकी इंतजार में विद्युत विभाग के अनुसार मसनकी के पसेरी पारा, असुरा और नवाडीह खुर्द में विद्युत विस्तार की स्वीकृति मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। लेकिन आधा दर्जन से अधिक गांव अब भी वन विभाग की अनापत्ति और प्रशासनिक स्वीकृति के इंतजार में हैं।

तीन महीने का लिखित आश्वासन आखिर किस फाइल में दबा है। 17 पंचायतों के ग्रामीण कब तक अंधेरे में त्योहार मनाएंगे। परीक्षाओं के दौरान बच्चों की पढ़ाई का नुकसान कौन भरेगा। बंद पड़े सोलर प्लांट की जिम्मेदारी कौन तय करेगा। महुली कोल्हूआ खोहिर रामगढ़ कछवारी मोहरसोप चोगा करोटी ए बैजनपाठ लुल्ह भून्डा तेलाईपाठ उमझर रसोकी खैरा कछिया बसनरा लगभग दो दर्जन गांवों में अभी तक विद्युत नहीं पहुंचा है।

महुली में रंगों की बरसी फुहार, भाईचारे के साथ मनी होली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ अंचल ग्राम महुली में इस वर्ष होली का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और भाईचारे के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सुबह से ही गांव की फिजा रंगों से सराबोर हो गई। गली-मोहल्लों में बच्चे पिचकारी लेकर दौड़ते नजर आए तो युवा वर्ग ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमता दिखा। ग्राम महुली में होली की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर अबीर-गुलाल लगाया और बड़ों का आशीर्वाद लिया। महिलाओं ने समूह बनाकर फाग गीत गाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण हो उठा। बुजुर्गों ने युवाओं को शांति और संयम के साथ त्योहार मनाने की सीख दी।

त्योहार के दौरान गांव में सौहार्द और सामाजिक समरसता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। कई परिवारों ने पुराने मतभेद भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाया और मिठाइयां बांटीं। ग्रामीणों ने बताया कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और एकता का प्रतीक है।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस की सतर्क निगरानी भी रही। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पूरा दिन शांतिपूर्वक बीता और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। शाम के समय गांव में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं और सामूहिक रूप से सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। दूरस्थ क्षेत्र महुली में इस तरह शांतिपूर्ण और भाईचारे के साथ होली का आयोजन पूरे क्षेत्र के लिए सकारात्मक संदेश लेकर आया है। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि आने वाले वर्षों में भी इसी तरह आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखते हुए पर्व-त्योहार मनाएंगे।

महाविद्यालय में हुआ वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिपं सदस्य कुसुम सिंह एवं विशिष्ट अतिथि व कार्यक्रम अध्यक्ष शिव प्रसाद सिंह की उपस्थिति रही। समारोह महाविद्यालय के अतिरिक्त प्रभारी प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन तथा प्रशासनिक अधिकारी एवं छात्र संघ प्रभारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, तत्पश्चात राज्य गीत गाया गया। प्रभारी प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण एवं वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

मुख्य अतिथि कुसुम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि दूरस्थ अंचल में छात्राओं की बढ़ती भागीदारी अत्यंत प्रशंसनीय है। विभिन्न विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने में भी छात्राओं की भूमिका उल्लेखनीय रही, जो समाज और प्रदेश के लिए सकारात्मक संकेत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिव प्रसाद सिंह ने शासन की योजनाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ते हुए कहा कि महाविद्यालय की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने महाविद्यालय परिवार की सराहना की और बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण पर बल दिया। धीरेंद्र कुमार जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2018-19 से प्रारंभ हुआ यह महाविद्यालय वर्ष 2026 तक निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर है और विभिन्न प्राचार्यों के प्रयासों से विकास की नई गाथाएँ लिख रहा है। कार्यक्रम का संचालन सचिन कुमार मिंज, अर्जुन प्रधान, रामनिवास पटेल, छात्र शिवम तिवारी एवं छात्रा आस्था गिरी ने किया। अनुशासन एवं बैठक व्यवस्था में अनदीप मिंज, अखिलेश रवि, आभा रंजना, शिखा पाठक, लक्ष्मी साहू, रीना कुजूर, अमन सिंह, हरिशंकर दहरिया सहित अन्य कर्मचारियों का योगदान रहा। समारोह में विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन, गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

जिले की पुलिस ने 316 लोगों के विरूद्ध की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

132 निगरानी बदमाशों को अपराध से दूर रहने दी गई हिदायत, 58 के खिलाफ कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर त्यौहार के दौरान जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस थाना-चौकी द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान असामाजिक तत्वों, आपराधिक प्रवत्ति वाले व्यक्तियों एवं अवैध कार्यो में लिप्त लोगों पर सतत निगरानी रखी गई तथा सूचना संकलन कार्य को और मजबूत कर सख्ती से कार्रवाई की गई।

इसी क्रम में जिले के थाना चौकी की पुलिस के द्वारा 20 फरवरी से 1 मार्च तक अभियान चलाकर 132 निगरानी, माफी व गुण्डा बदमाशों की चेकिंग कर उन्हें अपराध से दूर रहने, किसी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों में लिप्त न रहने की कड़ी हिदायत दी गई। इसी तारतम्य में 316 लोगों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई साथ ही अशांति फैलाने एवं आपराधिक घटना कारित किए जाने की आशंका को देखते हुए 58 आदतन आरोपियों के विरुद्ध बीएनएसएस के विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। उक्त अभियान में जिले के समस्त थाना-चौकी की पुलिस टीम सक्रिय रही।

चैत्र नवरात्रि व कुदरगढ़ महोत्सव पर श्रद्धालुओं की सुविधाओ के दृष्टिगत करें व्यापक इंतजाम : जयवर्धन

विभागीय योजनाओं में लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने कलेक्टर का निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं एवं विभागीय गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों के क्रियान्वयन में लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करें तथा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करें। बैठक में कलेक्टर ने आधार कार्ड निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत आधार कार्ड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों का कोई भी प्रकरण लंबित न रहे, इसके लिए विशेष अभियान चलाकर कार्य पूर्ण किया जाए। आगामी चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 23 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाले कुदरगढ़ महोत्सव की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर नेअधिकारियों को निर्देश दिए कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधा, यातायात, सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि आयोजन भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने, गर्भवती महिलाओं को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी मामलों का विशेष रूप से प्रभावी प्रबंधन करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास, आबकारी, कृषि सहित अन्य विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए.बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय प्रबंध संचालक, जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित, मनेन्द्रगढ़
वनमंडल-मनेन्द्रगढ़ जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ़)
Phone : 07771-243865, Fax: 07771-241743 e-mail : md.jumngh@gmail.com
क्रमांक/ल.व.उ./स्था./2026/ 320 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 19/02/2026

विज्ञापन

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित रायपुर के आदेश क्रमांक/वनो./पंजी/सह./2016/01 रायपुर दिनांक 19.05.2016 के द्वारा जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित मनेन्द्रगढ़ जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) के अधिनस्थ प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के रिक्त प्रबंधक के पद पर "प्राथमिक वनोपज सहकारी संस्था मर्यादित, प्रबंधक सेवा (नियोजन, निबंधन तथा कार्य स्थिति) नियम" 2016 के तहत् निम्नानुसार प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के प्रबंधक पद पर नियुक्ति हेतु प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी संस्था क्षेत्र के निवासी से विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से दिनांक 25/03/2026 शाम 05 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

विज्ञापित पद एवं वेतनमान

क्रमांक	प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति का नाम	पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	वेतनमान (एक मुश्त वेतन)
1	भौता	समिति प्रबंधक	01	20,675/-
2	बेलबहरा	समिति प्रबंधक	01	20,675/-
	योग		02	

प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति भौता एवं बेलबहरा के प्रबंधक पद पर नियुक्ति हेतु आवश्यक शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य नियम तथा शर्तो की विस्तृत जानकारी जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित मनेन्द्रगढ़/प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति मर्यादित भौता एवं बेलबहरा के सूचना पटल पर देखे जा सकते हैं। साथ ही छ.ग.राज्य लघु वनोपज (व्यापार/विकास) सहकारी संघ मर्यादित, नवा रायपुर के वेबसाईट www.cgmfpfed.org से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रबंध संचालक
जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित
मनेन्द्रगढ़, वनमण्डल मनेन्द्रगढ़

जी-47056/3

संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां होंगे आयोजित

महासमुंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत जिले में 30 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित किया जा रहा है। इस संपूर्ण अभियान के लिए संबंधित विभाग प्रमुख नोडल अधिकारी होंगे। अभियान के तहत 30 जनवरी को सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा आयोजित कर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं स्वच्छता संबंधी प्रमुख संकेतकों की पूर्ण जानकारी दी गई। इसी तरह 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कैंसर जांच, टीबी, मलेरिया, एवं एनीमिया जांच, स्वास्थ्य परामर्श एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी तरह सभी स्कूल एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में विज्ञान प्रदर्शनी एवं स्वच्छता, हाथ धुलाई एवं पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में विशेष पोषण अभियान, किशोरी बालिकाओं के लिए आयरन सप्लीमेंट एवं स्वास्थ्य परामर्श दिया जाएगा। 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर सभी ग्राम पंचायतों में पशुपालन विभाग द्वारा पशु टीकाकरण एवं पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। 22 मार्च को विश्व जल दिवस के अवसर पर सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पीएचई विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी एवं विद्यालयों में पेयजल गुणवत्ता जांच एवं जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होगा।

होली पर हुड़दंगियों से निपटने क्षेत्र में 6 सौ पुलिस जवान रहेंगे तैनात

पुलिस व प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च, शांती से पर्व मनाने की अपील

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। होली पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले की पुलिस व प्रशासन के द्वारा सोमवार को नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के पूर्व थाना कोतवाली पहुंचकर कलेक्टर एस.जयवर्धन व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस अधिकारी और जवानों को फ्लैग मार्च एवं होली पर्व की ड्यूटी को लेकर ब्रीफ किया। इसके बाद पुलिस के अधिकारी व जवानों के द्वारा नगर में फ्लैग मार्च निकाला। होली के दौरान 6 सौ से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान तैनात रहेंगे और सभी की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। कोतवाली से शुरू हुआ फ्लैग मार्च शहर के प्रमुख मार्गो से होकर निकला। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने व अफवाहों से दूर रहने की अपील की।

इस मार्च में 220 पुलिस अधिकारी और जवान शामिल रहे। फ्लैग मार्च का उद्देश्य होली को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना और असामाजिक तत्वों में भय उत्पन्न करना था। होली के दौरान किसी भी प्रकार की हुड़दंग, नशे में वाहन चलाने, शांति भंग करने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट करने से बचने की भी अपील की गई। लोगों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर तैयार कर रही हैं हर्बल गुलाल बिहान दीदियां

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत हर्बल गुलाल बनाने के लिए सब्जियों के प्राकृतिक रंगों से रंगकर और उसमें गुलाब गेंदा, पलाश के फूलों की पंखुड़ियों, गुलाब जल, इत्र आदि मिलाकर हर्बल गुलाल बनाया जा रहा है। पलाश के फूलों से केसरिया गुलाल, पालक भाजी से हरे रंग का गुलाल तथा लाल भाजी से लाल रंग का गुलाल तैयार किया जा रहा है। इस गुलाल में रासायनिक पदार्थों का उपयोग नहीं होने से यह गुलाल त्वचा, आंख, बाल आदि के लिये हानिकारक नहीं है। मानव अनुकूल होने से इस हर्बल गुलाल को बिना किसी चिंता के होली के त्योहार में उपयोग किया जा सकता है।

बस्तर जिले में इस बार होली का त्यौहार न केवल रंगों भरा होगा, बल्कि सेहत और पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित रहेगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों के 9 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को हर्बल गुलाल बनाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्रांतिकारी डेबरीधूर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर में आयोजित इस दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में महिलाएं आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर गुलाल तैयार करना सीख रही हैं। इस अनूठी पहल की सबसे खास बात यह है कि महिलाएं अपनी रसोई और बाड़ी में मिलने वाली प्राकृतिक वस्तुओं जैसे पालक, लाल भाजी, चुकंदर और फूलों का उपयोग कर सतरंगी गुलाल तैयार करेंगी। बाजार में मिलने वाले सिंथेटिक रंगों और गुलाल में अक्सर हानिकारक रसायनों का मिश्रण होता है, जो त्वचा में जलन, एलर्जी और आंखों को नुकसान पहुँचाते हैं। इन समस्याओं को देखते हुए बिहान की दीदियां कॉर्न फ्लावर के आधार (बेस) में चुकंदर और भाजी के अर्क को मिलाकर पूरी तरह चर्म-रोग मुक्त और इको-फ्रेंडली गुलाल का उत्पादन करेंगी। प्रशिक्षण के उपरांत महिलाओं ने इस वर्ष 500 किलो से लेकर एक हजार किलो तक हर्बल गुलाल तैयार करने का लक्ष्य रखा है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

लॉ-एंड-ऑर्डर की स्थिति पर तत्काल कार्रवाई के लिए एक्टिव रहे प्रशासनिक टीम

होली एवं ईद त्योहार शांति एवं सौहार्द्रपूर्ण मनाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चार मार्च को होली एवं 21 मार्च को ईद का त्योहार मनाया जाएगा। इस हेतु सभी विभागों को अपनी तैयारियां रखने के निर्देश कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में दिए हैं। त्योहार के दिन पानी, बिजली आदि बाधित ना हो, इसका ध्यान रखने कहा गया है। होली एवं ईद का त्यौहार शांति एवं सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मने इसके लिए कार्यपालिक दंडाधिकारी को सतर्क रहने और लॉ एंड आर्डर की स्थिति निर्मित होने पर तत्काल अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई करने कहा गया है। इन्हें सूचना तंत्र को मजबूत रखने, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने, वाहनों की लगातार जांच, तीन सवारी एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस विभाग द्वारा कार्रवाई करने कहा गया है। कलेक्टर ने आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ रखने, चिकित्सालयों में

पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों एवं कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, तालाबों में गोताखोरों की उपलब्धता, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस सहित अन्य आपातकालीन सुविधा एक्टिव रहे, इसका ध्यान रखने कहा है। आमजनों को किसी प्रकार की समस्या ना हो, किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए सभी विभाग को तैयार रहने निर्देशित किया है।

जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत ने भारत सरकार द्वारा आयोजित होने वाली जनगणना 2027 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य हेतु फील्ड लेवल अधिकारियों, सुपरवाइजर एवं प्रगणकों की कुल आवश्यक संख्या की जानकारी तैयार कर उपलब्ध कराएं। जनगणना कार्य में मुख्य रूप से शिक्षा विभाग से प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। सुपरवाइजर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक, प्राचार्य तथा प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य हो सकते है, वहीं प्रगणक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक होंगे। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी ली और कहा कि जनगणना महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए गम्भीरता से शासन के नियमों के अंतर्गत कार्य सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने अपार आईडी निर्माण में प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों से जन्म प्रमाण पत्र निर्माण की स्थिति की जानकारी ली और जल्द से जल्द लक्ष्य पूर्ण करने निर्देशित किया। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बन गया है, उनके आधार कार्ड निर्माण हेतु कार्रवाई शुरू करें। गंभीरता के साथ कार्य में प्रगति लाएं। इस दौरान जाति प्रमाण पत्र निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिले में अतिशेष शिक्षकों की जानकारी ली और कहा कि जिन विद्यालयों में शिक्षक अवकाश पर हैं या किसी कारणवश शिक्षक नहीं आ रहे हैं, पास के अन्य विद्यालय जहां शिक्षकों की ज्यादा संख्या है, वहां से शिक्षक अटैच करें, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित ना हो। उन्होंने खाद्य अधिकारी से नए धान खरीदी केंद्रों के निर्माण हेतु स्थल चिन्हांकन कर संबंधित एसडीएम को सूची उपलब्ध करवाने कहा। सुदूर क्षेत्रों में राशन पहुंचाने की जानकारी ली और कहा कि तहसीलदार मॉनिटरिंग करें। इस दौरान आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण की जानकारी ली गई तथा शेष में संबंधित अधिकारियों को निरीक्षण करने कहा गया। बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, कलेक्टर जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, राम सिंह ठाकुर, नगर निगम कमिश्नर डीएन कश्यप सहित सभी एसडीएम एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार में ईंट से हमला, सवार से मारपीट, दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कार में मामूली टच के बाद विवाद कुछ ऐसा रूप लिया कि दोनों कार सवारों के बीच संघर्ष की स्थिति बन गई। ईंट, पत्थर, डंडा सरे राह चलने लगा। बाद में पुलिस दोनों वाहनों को थाने ले आई। मारपीट में दोनों पक्ष के प्रार्थियों को चोटें आई है। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

मेदान्ता अस्पताल हरियाणा में कम्प्यूट ऑपरेटर के पद पर कार्यरत जयस्तंभ चैक मस्जिदपारा निवासी शाकीब अशरफ ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 12 फरवरी को वह त्यौहार मनाने अपने घर आया था। 25 फरवरी को उसकी पत्नी आफरीन खान का ट्रेन छूट जाने के कारण अपने भाई कमरान असफर के साथ दोपहर करीब 1.30 बजे वह अपने पिता के कार क्रमांक सीजी 15 डीएम 9297 से रेल्वे स्टेशन अजिरमा में अपनी पत्नी को लेने गया था। रेल्वे स्टेशन अजिरमा से पत्नी को लेकर कार से वापस आते समय बनारस चौक से अमृत तुल्य होटल के सामने चाय पीने के लिए बनारस रोड की ओर मुड़ गया। अमृत तुल्य दुकान के पास हिमांशु भगत के गाड़ी से हल्का स्पर्श हो गया था, इस पर वे विवाद करने लगे तो वह अपनी गाड़ी को आगे बढ़ा दिया और सांई मंदिर रोड तरफ मुड़ रहा था। इसी बीच स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक जेएच 01 डीटी 4573 का चालक हिमांशु भगत गाड़ी का पीछा करते हुए अपनी वाहन को तेज रफ्तार में चलाते हुए पीछे से ठोकर मार दिया, जिससे कार घूमकर खम्भे से टकरा गई। इसके बाद हिमांशु भगत एवं उसके साथी कार से उतरकर गाली-गलौज करते हुए गाड़ी के कांच में ईंट से प्रहार किए जिससे कार का सामने का शीशा, गाड़ी का हेडलाइट, चालक तरफ का गेट, पीछे का डिक्की क्षतिग्रस्त हो गया। आरोप है कि हिमांशु भगत एवं उसके साथी उसे गाड़ी से निकाल कर मारकर गाड़ देने की धमकी देते हुए इंट, डंडा से मारपीट करने लगे। इस दौरान उसके जेब में रखा पर्स गायब हो गया, जिसमें ड्रायविंग लायसेंस, आधार कार्ड, पेन कार्ड, अस्पताल का परिचय पत्र एवं नकद 10 हजार रुपये था। मौके पर पहुंची गांधीनगर थाना पुलिस दोनों वाहनों को लेकर थाना आ गई। घटना में कार को लगभग 3 लाख रुपये का नुकसान पहुंचना बताया गया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने हिमांशु भगत और 5 अन्य साथियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 125(ए), 281, 296, 3(5), 324(5), 351(3) का मामला दर्ज कर लिया है।

मारपीट के दौरान कैमरा और 50 हजार रुपये गायब

दूसरे पक्ष से वीडियो शूटिंग का काम करने वाले बिशुनपुर गोरसीडबरा निवासी हिमांशु भगत ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 25 फरवरी को वह अपने भाई आयुष टोप्पो व संतोष टोप्पो के साथ केशगंवा लखनपुर से विवाह समारोह में वीडियो शूटिंग करके स्विफ्ट डिजायर कार क्रमाक जेएच 01 डीटी 4573 से वापस अंबिकापुर आ रहा था। होली क्रॉस गेट के पीछे रेणुका गर्ल्स हास्टल के पास बनारस रोड में दोपहर करीब 2.30 बजे स्कोडा कार क्रमांक सीजी 15 डीएम 9297 का चालक अपनी कार से पीछे से ठोकर मार दिया। जब वह कार सवार को चिल्लाकर रूकने के लिए कहा तो रूकने के बाद वह कार में बैठे-बैठे गालीगलौज करके चला गया। जब वह अपने कार से स्कोडा कार वाहन को पीछा किया, तो साई मंदिर के पास चालक अपने कार को पुनः वापस लाकर उसके कार को सामने से ठोकर मार दिया। जब वे अपने कार से नीचे उतरे तो स्कोडा कार लेकर चालक पुनः भागने का प्रयास करने लगा। इसके बाद वे कार सवार को रोके तो चालक शाकीब को वह पहचान गया, जो पूर्व में उसके स्टूडियो में भी आ चुका है। कार से उतरते ही वह गालीगलौज करने लगा, इस दौरान कार में सवार दो लड़कियां भाग गईं। शाकिब फोन करके अपने दोस्तों को भी बुला लिया था, जो साईं मंदिर के पास पहुंच गए, सभी मिलकर हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। इसकी जानकारी वह अपनी बहन को फोन करके दिया, तो वह मौके पर पहुंची। इनके साथ भी शाकिब व उसके दोस्त गालीगलौज करने लगे। आसपास के लोग व पुलिस के पहुंचने पर वे भागने लगे। घटना के बाद जब वह अपने कार में बैठकर रिपोर्ट करने थाना आने लगा, तो देखा कि कार में रखा सोनी कंपनी का कैमरा और वीडियो शूटिंग से प्राप्त रकम 50 हजार रुपये नही था। कार क्षतिग्रस्त होने से करीब 15 हजार रुपये का नुकसान होना बताया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने शाकिब और अन्य साथियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 281, 296, 3(5) का मामला दर्ज किया है।

चोरी के मामले में खरीददार सहित 02 गिरफ्तार, लैपटॉप एवं नकद बरामद

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना पुलिस ने लैपटॉप व नकदी चोरी के मामले में खरीददार सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 5000 रुपये नकद और लैपटॉप बरामद करने में पुलिस सफल हुई है। भगवानपुर निवासी सुनन्दन तिवारी ने 20 फरवरी को 19-20 फरवरी की मध्य रात्रि को अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा मकान से नकदी, सोने का ब्रेसलेट, अंगूठी, चैन, लैपटॉप एवं मोबाइल चोरी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने धारा 331(4), 305(ए), 3(5), 317(2), 112(2) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया था। दौरान विवेचना पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और चोरी गई संपत्ति के तलाश में लगी थी। इस दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदेही चोरी का

मोबाइल बेचने के फिराक में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेही आनंद कुमार पन्ना पिता हैबिल पन्ना 22 वर्ष, निवासी सुभाषनगर भगवानपुर को पकड़ा और पूछताछ की तो वह प्रार्थी के मकान से नकद रकम सहित जेवरात, लैपटॉप, मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी द्वारा सोने के जेवरात को अन्य आरोपी को बिक्री करने के लिए देना बताया है, जो फरार है। आरोपी द्वारा चोरी का मोबाइल एवं 5000 रुपये नकद स्वयं रखना एवं लैपटॉप, चार्जर को भगवानपुर मनेन्द्रगढ़ रोड निवासी प्रियांशु तिवारी को 1000 रुपये में बेचना बताया। आरोपी के निशानदेही पर लैपटॉप खरीददार प्रियांशु तिवारी पिता अजय तिवारी 21 वर्ष निवासी भगवानपुर से पूछताछ करने पर उसने चोरी का लैपटॉप खरीदना स्वीकार किया। पुलिस टीम ने लैपटॉप मय चार्जर जप्त कर लिया है। आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। फरार आरोपी के तलाश में पुलिस लगी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक लल्लन गुप्ता, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, जयदीप सिंह, विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह उमाशंकर, रमन मण्डल, थाना धौरपुर से राहुल सिंह सक्रिय रहे।

बकरी इकाई वितरण हेतु खुला बाजार का आयोजन 13 मार्च को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पशु चिकित्सा सेवाएं के उप संचालक ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की 'धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान' योजना के तहत चयनित 11 हितग्राहियों को बकरी इकाई वितरण हेतु आगामी 13 मार्च को अंबिकापुर में खुले बाजार का आयोजन किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए राज्य के पंजीकृत पशु व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है। इच्छुक व्यापारी अपने आवेदन 09 मार्च तक जमा कर सकते हैं। इच्छुक व्यापारी आवेदन का प्रारूप और अन्य विस्तृत जानकारी सरगुजा जिले की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कार्यालयीन समय में कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं में उपस्थित होकर भी जानकारी ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि कुल 11 बकरी इकाई का वितरण किया जाना है। प्रत्येक इकाई में 5 मादा बकरी और 1 नर बकरा शामिल हैं। इस प्रकार कुल 55 मादा बकरी और 11 नर बकरों का वितरण होगा। मादा बकरी की आयु न्यूनतम 1 वर्ष और वजन कम से कम 10 किलोग्राम होना अनिवार्य है। इसके लिए प्रति बकरी 6 हजार रुपये का भुगतान किया जाएगा। नर बकरा उन्नत नस्ल का होना चाहिए, जिसकी आयु न्यूनतम 1.5 वर्ष और वजन कम से कम 15 किलोग्राम हो। इसके लिए प्रति बकरा 10 हजार रुपये का भुगतान निर्धारित है। सभी पशु संक्रामक रोगों से मुक्त और टीकाकरण युक्त होने चाहिए। व्यापारियों को छत्तीसगढ़ पशु चिकित्सा परिषद में पंजीकृत पशु चिकित्सक द्वारा जारी स्वास्थ्य एवं टीकाकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

अनिल निराला जनजाति सुरक्षा मंच सीतापुर के खंड संयोजक बनाए गए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनजाति सुरक्षा मंच की प्रांतीय इकाई के निर्देशानुसार सीतापुर विकासखंड की नई खंड कार्यकारिणी का विधिवत गठन उरांव समाज घर, सीतापुर में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान हुआ। कार्यशाला में जशपुर प्रांत के सह संयोजक इंदर भगत ने अपने संबोधन में संगठन की मजबूती, जनजातीय समाज के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, सामाजिक एकजुटता तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन की सक्रियता और एकजुटता ही समाज की शक्ति है। उन्होंने मई में दिल्ली में आयोजित होने वाले डीलिस्टिंग जनजाति गर्जना महारैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महारैली में सीतापुर के प्रत्येक गांव से जनजाति समाज को दिल्ली जाना है और डीलिस्टिंग कानून की मांग करना है। समाज के ऐसे लोग जो अपनी जाति के रीति-रिवाज, परम्परा, विश्वास को छोड़कर धर्मांतरित हो गए हैं, उनको मिलने वाला आरक्षण और अनुसूचित जनजाति की पहचान हटाने के आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का उन्होंने आव्हान किया।

कार्यशाला में विचार-विमर्श एवं सर्वसम्मति के उपरांत सीतापुर विकासखंड की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें संरक्षक नाथूराम भगत, गोंहदुल भगत, भगत राम, गिरधर राम भगत, तिलक राम भगत, शोभन राम उरांव, खंड संयोजक अनिल निराला, खंड सह संयोजक पीटर भगत, आशा राम, दशरथ पैंकरा, निखिल राज सिंह पावले, सतीश टोप्पो, सुभाष उरांव, बसंत उरांव, संपर्क प्रमुख लिखेश्वर भगत, संपर्क सह प्रमुख बलबीर, अनिल केहरी, निधि प्रमुख जयराम भगत, निधि सह प्रमुख सोहन तिर्की, नंदकेश्वर सिंह पैंकरा, वीरेंद्र कुमार एक्का, महिला प्रमुख सरिता बघेल, महिला सह प्रमुख उर्मिला बेक, सर्वती पैंकरा, मंगती उंजन, शांति देवी, प्रचार-प्रसार प्रमुख अभिषेक सिंह, प्रचार-प्रसार सह प्रमुख विकास भगत, प्रद्युमन सिंह पैंकरा, अरविन्द बड़ा, विकास एक्का, युवा प्रमुख ओम प्रकाश तिर्की, युवा सह प्रमुख बसंत कुजूर, कार्यालय प्रमुख रूपन राम खलखो एवं कार्यकारिणी सदस्य शिबरन राम, रामप्रसाद भगत, बीरबल राम भगत को बनाया गया। नई कार्यकारिणी गठन एवं मनोनीत पदाधिकारियों के चयन पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से समर्थन प्रदान किया। संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं चलो दिल्ली अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

अणुव्रत का कार्यक्रम बच्चों के जीवन में लाएगा सकारात्मक परिवर्तन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 78वें अणुव्रत स्थापना दिवस के अवसर पर अणुव्रत समिति सरगुजा इकाई द्वारा जन शिक्षण संस्थान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर रामराज सिंह द्वारा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में आधुनिकता में हम इतना बदल चुके हैं कि हमारी शिक्षा, संस्कार और संस्कृति का लगातार ह्रास होता जा रहा है। अणुव्रत समिति के आचार सहिंता को पढ़कर महसूस हुआ कि हमें अपने व्यवहार में काफी बदलाव लाने की आवश्यकता है। छोटे-छोटे प्रयत्न और संकल्पों के जरिए ही स्वयं में बदलाव लाया जा सकता है, इसी का नाम है अणुव्रत। निश्चित ही अणुव्रत का कार्यक्रम आने वाले समय में बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला साबित होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साक्षरता के जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता ने कहा कि अणुव्रत का यह कार्यक्रम हमें यह सीख देता है कि छोटे-छोटे प्रयास, प्रयत्न एवं संकल्पों से जीवन में निश्चित ही बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन निदेशक जन शिक्षण संस्थान के निदेशक एम सिद्दीकी ने और आभार प्रदर्शन सरगुजा साइंस ग्रुप के अंचल ओझा ने

किया। अणुव्रत समिति की राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा ने अणुव्रत के पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी और कहा कि यह सभी के सहयोग और निःस्वार्थ भाव से किए जाने वाले कार्य से संभव हो पा रहा है। उन्होंने राज्य भर में 78वें स्थापना दिवस पर होने वाली विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस दौरान अणुव्रत समिति के मैराथन एवं रैली के पोस्टर का विमोचन किया गया। अणुव्रत क्रिएटिविटी कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले स्कूली बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष रंजीत मालू, अणुव्रत समिति मंत्री महेंद्र बोथरा, कोषाध्यक्ष हनुमान डागा, सह सचिव मनोज बोथरा, भाजपा महिला मोर्चा से हेमलता शर्मा, अणुव्रत समिति सदस्य प्रतिमा त्रिपाठी, जन शिक्षण संस्थान के रमेश यादव, अंजुमाला तिर्की, वंदना मानिकपुरी, रेणु यादव, पल्लवी विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

सहकारी समिति केरजू में 1.92 करोड़ से अधिक के फर्जी ऋण आहरण का मामला उजागर

आठ अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित केरजू में फर्जी ऋण वितरण एवं आहरण का गंभीर मामला सामने आया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर की अध्यक्षता में गठित संयुक्त जांच दल द्वारा की गई जांच में 127 किसानों के नाम पर फर्जी हस्ताक्षर कर एक करोड़ 92 लाख 82 हजार 600 रुपये का अवैध आहरण किया जाना पाया गया है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर तत्कालीन प्राधिकृत अधिकारी मदन सिंह, जोगी राम, सैनाथ केरकेट्टा वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एवं प्राधिकृत अधिकारी, भूपेन्द्र सिंह परिहार तात्कालिक शाखा प्रबंधक, शिवशंकर सोनी सहायक लेखापाल, ललिता सिन्हा कैशियर, सुमित कुमार सामान्य सहायक एवं दीपक कुमार चक्रधारी कम्प्यूटर ऑपरेटर को उक्त अनियमितता के लिए दोषी पाया गया है। प्रकरण में कुल 8 संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कराने की कार्रवाई कलेक्टर अजीत वसंत ने की है, साथ ही संबंधित थाना में अपराध पंजीबद्ध कर एफ.आई.आर. की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सरगुजा जिले में नई गाइडलाइन दरें 2 मार्च से प्रभावशील

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में संपत्ति के पंजीयन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं व्यवहारिक बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में 20 नवम्बर 2025 से लागू नवीन गाइडलाइन दरों के संबंध में आवश्यकतानुसार पुनरीक्षण हेतु जिला मूल्यांकन समितियों को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए थे। शासन के निर्देशों के अनुरूप सरगुजा जिले की जिला मूल्यांकन समितियों द्वारा संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के लिए महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में 'छत्तीसगढ़ गाइडलाइन दरों का निर्धारण नियम 2000' के प्रावधानों के तहत केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्राप्त प्रस्तावित गाइडलाइन दरों का परीक्षण किया गया।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर